



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 15, 1972 (पौष, 25, 1893)  
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 15, 1972 (PAUSA 25, 1893)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रह संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 8 फरवरी 1971 तक प्रकाशित किये गये हैं :  
The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to 8th February 1971 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
1	2	3	4

पृष्ठ  
- 111

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।  
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिये।

Copies of the Gazette Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची			
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	31	भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	1
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	89	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . . . . .	1
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	—	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा मंगल कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	67
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	69	भाग III—खंड 2—एकस्थ कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .	17
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	7
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रश्न समितियों की रिपोर्टें . . . . .	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .	465
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . . .	1	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . . . .	9
		पूरक संख्या 3—	
		8 जनवरी 1972 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बंधी साप्ताहिक रिपोर्टें . . . . .	45
		18 दिसम्बर 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बच्ची बीमारियों से हुई मृत्यु सम्बन्धी आंकड़े . . . . .	55

CONTENTS			
PAGE	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . . .	PAGE	
31	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence . . . . .	1	
89	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	67	
—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta . . . . .	17	
69	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	7	
—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	465	
—	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	9	
1	SUPPLEMENT No. 3—		
	Weekly Epidemiological Reports for week ending 8th January 1972 . . . . .	45	
	Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week end 18th December 1971 . . . . .	55	

## भाग I—खण्ड 1

## (PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

## राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1971

सं० 86-प्रेज/71—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

## अधिकारी का नाम तथा पद

श्री, राम दयाल,  
कांस्टेबल सं० 491  
जिला छतरपुर,  
मध्य प्रदेश ।

(स्वर्गीय)

## सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

15 अप्रैल, 1971 को पुलिस को सूचना मिली कि डाकू फही राजा का गिरोह गांव भोजपुर में छिपा हुआ है। 16 अप्रैल 1971 को प्रातः पुलिस के एक दल को, जिसमें श्री रामदयाल भी सम्मिलित थे, डाकुओं के गिरोह के खोज निकालने के लिए नियुक्त किया गया। जब पुलिस दल डाकू के अनुमानित अड्डों की जांच कर रहा था तो डाकुओं ने पुलिस दल पर बहुत समीप से गोली चलाई। डाकू नाले में छिपे हुए थे। यद्यपि पुलिस दल खुले मैदान में था परन्तु फिर भी वह नहीं घबराये। यह जानते हुए कि डाकू नाले में होने के कारण स्थिति से लाभ उठायेगे और बचकर निकल भागेगे, श्रीरामदयाल ने डाकुओं के बचकर निकल भागने के मार्ग को बन्द कर देने के उद्देश्य से नाले में मोर्चा संभालने का प्रयत्न किया। इस प्रयत्न में वह डाकुओं के बिल्कुल आमने-सामने आ गये और अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए डाकुओं की गोलियों का जबाब देते रहे। गोली चलने के दौरान श्री राम दयाल गोली से जखमी हो गये और घटनास्थल पर ही मारे गए।

इस मुठभेड़ में श्रीराम दयाल ने अनुकरणीय साहस और वीरता का परिचय दिया और अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राण दे दिये।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(I) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 16 अप्रैल 1971 से दिया जाएगा।

नागेन्द्र सिंह,  
राष्ट्रपति के सचिव

## मंत्रिमंडल सचिवालय

(सांख्यिकीय विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1971

सं० 13013/1/71-रा० न० सर्वे०-1—इस विषय पर इससे पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, भारत सरकार ने औद्योगिक आँकड़ा सुधार संबंधी स्थायी समिति का पुनर्गठन किया है। उक्त समिति का गठन इस प्रकार होगा :—

- |  |         |
|--|---------|
| 1. निदेशक,<br>केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन,<br>नई दिल्ली।  | अध्यक्ष |
| 2. आर्थिक मलाहकार,<br>औद्योगिक विकास मंत्रालय,<br>नई दिल्ली।   | सदस्य   |
| 3. श्री वी० वी० दिवातिया,<br>सलाहकार (सांख्यिकी),<br>सांख्यिकी विभाग,<br>भारतीय रिजर्व बैंक,<br>बम्बई।   | सदस्य   |
| 4. निदेशक,<br>श्रम ब्यूरो,<br>भारत सरकार,<br>शिमला।  | सदस्य   |
| 5. निदेशक,<br>अर्थ एवं सांख्यिकी ब्यूरो,<br>गुजरात सरकार,<br>अहमदाबाद।<br>दिनांक 5-12-1971 से एक<br>वर्ष के लिए (आंचलिक<br>आधार पर राज्य सांख्यिकी<br>कार्यालयों के निदेशक (बारी<br>बारी से एक-एक<br>वर्ष के लिए मनोनीत किए<br>जायेंगे)। | सदस्य   |

6. प्रोफेसर, एन० सी० घोष, सदस्य  
भारतीय सांख्यिकीय संस्थान,  
203, बैरकपुर ट्रंक रोड,  
कलकत्ता-35।
7. श्री पी० एन० माथुर, सदस्य  
गोखले अर्थशास्त्र संस्थान,  
पूना।
8. निवेशक, (सदस्य पदेन)  
क्षेत्रीय-कार्य संचालन, प्रभाग,  
राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन,  
रामकृष्णपुरम,  
नई दिल्ली।
9. संयुक्त निवेशक (सदस्य पदेन)  
औद्योगिक आंकड़ा स्कंध,  
केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन,  
1, कौंसिल हाउस स्ट्रीट,  
कलकत्ता-1।

2. उक्त समिति के कार्य इस प्रकार रहेंगे:-

- (क) वार्षिक उद्योग-सर्वेक्षण संबंधी कार्य-क्षेत्र, सीमाक्षेत्र, संकल्पनाओं, परिभाषाओं, तकनीकी कार्य विधि, आदि की जांच करना।
- (ख) वार्षिक उद्योग-सर्वेक्षणों की अनुसूचियों की और उनकी तुलना में उनके उपयोग करने वालों की सारणीकरण संबंधी अपेक्षाओं, क्षेत्रीय कार्य और सारणीकरण के लिए माधनों तथा कार्य-भार के मानकों (नार्म) की जांच करना और
- (ग) औद्योगिक आंकड़ों, खास तौर पर लघु उद्योग सेक्टर संबंधी आंकड़ों के संग्रह साथ ही उनके सारणीकरण और विश्लेषण के लिए उन्नत तकनीकों को विकसित करना।

3. उक्त समिति को सचिवालयीय सहायता केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (उद्योग और व्यापार प्रभाग), नई दिल्ली द्वारा दी जायेगी।

ह० ल० कोहली, अवर सचिव

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 जनवरी 1972

नियम

सं० 4/7/71-अ० भा० सं० (4)—जो निर्मुक्त आपात कमीशन प्राप्त अफसर/अल्प कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसर सशस्त्र सेना में 1 नवम्बर 1962 के बाद किन्तु 10 जनवरी 1968 से पहले नियुक्त किए गए, भारतीय वन सेवा में उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के हेतु

चयन के लिए, सन् 1972 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा प्रकाशित नोटिस में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि से किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अधिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी भी जाति से है:

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (पाट-सी स्टेट्स) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950, तथा संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (पाट-सी स्टेट्स) आदेश, 1951, जैसा कि उसका संशोधन बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित (अनुसूचित जाति/आदिम जाति सूचियां आशोधन) आदेश 1956 के द्वारा हुआ है; संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1959, संविधान (दादरा और नागर हवेली)-अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968, संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-II में निर्धारित विधि से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए,

(i) जो आपात कमीशन प्राप्त अफसर 1 नवम्बर 1962 के बाद किन्तु 10 जनवरी, 1968 से पहले सशस्त्र सेना में नियुक्त हुए थे और जो वर्ष 1970 और 1971 में निर्मुक्त हो चुके हैं, वे इस परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होंगे।

(ii) अल्प कालीन सेवा कमीशन-प्राप्त अफसर जो 1 नवम्बर 1962 के बाद किन्तु 10 जनवरी 1968 से पहले सशस्त्र सेना में नियुक्त हुए थे और जो वर्ष 1970

और 1971 में निर्मुक्त हो चुके हैं या वर्ष 1972 में निर्मुक्त होने वाले हैं। वे इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

नोट 1 :—इन नियमों के प्रयोजनार्थ “निर्मुक्त” का अर्थ है—

प्रशिक्षण की अवधि में या अंत में न होकर, या वास्तविक सेवा में लिए जाने से पहले इस प्रकार की प्रशिक्षण अवधि को पूरा करने के लिए प्रदान किए गए अल्पकालीन सेवा कमीशन के दौरान या अंत में न होकर, कुछ सेवा की अवधि के बाद सशस्त्र सेना से—

- (i) निर्मुक्त होने के वर्ष के अनुसार निर्मुक्त,
- (ii) सैनिक सेवा द्वारा विकलांगता के कारण अशक्तता किन्तु इसमें ऐसे अफसरों के मामले शामिल नहीं हैं, जो कदाचार, या अक्षता या अपने निजी अनुरोध के कारण निर्मुक्त किए गए।

नोट 2 :—“निर्मुक्त होने का वर्ष” अभिव्यक्ति का अर्थ है :—

- (i) जहां तक आपात कमीशन प्राप्त अधिकारियों से इस का सम्बन्ध है, उनके लिए वह वर्ष जिसमें रक्षा मंत्रालय में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें निर्मुक्त होना है ; और
- (ii) जहां तक अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों का सम्बन्ध है, उनके लिए वह वर्ष माना जाएगा जिसमें अल्पकालीन कमीशन-प्राप्त अधिकारियों के रूप में उनके 3 साल या 5 साल, जैसा भी हो, के सामान्य सेवाकाल की समाप्ति होनी है।

नोट 3 :—यदि किसी व्यक्ति का अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद सशस्त्र सेना में स्थायी कमीशन मिल जाता है, अथवा वह सशस्त्र-सेना से हस्तांतरित दे देता है या वह उससे कदाचार या अक्षता या अपने निजी अनुरोध के कारण निर्मुक्त कर दिया जाता है तो उस व्यक्ति की पात्रता रद्द हो सकेगी।

नोट 4 :—जो इंजीनियर तथा डाक्टर केन्द्रीय सरकार में या राज्य सरकारों में या सरकार के स्वामित्व में चलने वाले औद्योगिक उद्यमों में कार्य करते हैं और जिनको अनिवार्य बाधिता योजना के अन्तर्गत सशस्त्र सेना में कम-से-कम निर्धारित अवधि के लिए सेवा करनी पड़ती है और जिनको संगत नियमों के अन्तर्गत इस प्रकार की सेवा अवधि में अल्पकालीन सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

नोट 5 :—जो अफसर सशस्त्र-सेना की स्वयंसेवक आरक्षी सेवा (वॉलंटियर-रिजर्व फोर्स) से सम्बद्ध है और जिन्हें अस्थायी सेवा पर बुलाया गया हो, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

5क. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या
- (ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (च) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, लंका और पूर्वी अफ्रीका के केनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टेंगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ), (ङ) और (च) कोटियों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने की शर्त के साथ, अनन्तिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

6. (क) उम्मीदवार के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आयु 24 वर्ष से अधिक उस वर्ष की 1 जुलाई को न हो जिसमें वह सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो, या (जहां केवल कमीशन परवर्ती-प्रशिक्षण हो) उसने कमीशन प्राप्त किया हो।

6. (ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु में निम्नलिखित स्थितियों में छूट दी जा सकती है :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष ;
- (2) यदि उम्मीदवार पूर्वी-पाकिस्तान से 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद भारत में आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद पूर्वी-पाकिस्तान से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;
- (4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो तथा उसने कमी फ्रेंच भाषा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;

- (5) यदि उम्मीदवार अक्तूबर 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अर्धिन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूलरूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्तूबर 1964 से भारत-श्रीलंका करार के अर्धिन, 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत में आया हुआ मूलरूप से भारतीय व्यक्ति भी ही, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;
- (7) यदि उम्मीदवार गोआ, दमन और दीव के संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (8) यदि उम्मीदवार केनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजोबार) से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (9) यदि उम्मीदवार 1 जून 1963 या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (10) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून 1963 को या उसके बाद, बर्मा से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;
- (11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ युद्ध संवर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए, तथा
- (12) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ युद्ध संवर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं ;
- (13) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन-परवर्ती प्रशिक्षण था) और पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो उसके लिए अधिकतम तीन वर्ष तक,
- (14) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन-परवर्ती प्रशिक्षण था) और अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो, तो उसके लिए अधिकतम आठ वर्ष तक ;
- (15) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963, 1964, या उसने 1965 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन-परवर्ती प्रशिक्षण था) और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का निवासी हो तो उसके लिए अधिकतम चार वर्ष तक, और
- (16) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा उसने 1963, 1964 या 1965 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण था) और भारतीय नागरिक है और लंका से प्रत्यावर्तित हो तो उसके लिए अधिकतम तीन वर्ष तक ।
- उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी ।
7. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी ।
8. उम्मीदवार को उसके निर्मुक्त होने के वर्ष में हुई परीक्षा में प्रथम अवसर के रूप में, और निर्मुक्त होने के वर्ष से अगले वर्ष हुई परीक्षा को द्वितीय अवसर के रूप में बैठना होगा ।
9. नियम 8 में की गई किसी भी व्यवस्था के बावजूद —
- (i) सन् 1971 में निर्मुक्त हुआ उम्मीदवार सन् 1972 में होने वाली परीक्षा में प्रथम अवसर के रूप में बैठ सकेगा ; और
- (ii) सन् 1970 की परीक्षा के आवेदन पत्रों की प्राप्ति के लिए निर्धारित अंतिम तारीख के बाद, सन् 1970 के दौरान मिलिट्री सेवा के कारण हुई विकलांगता अथवा उस विकलांगता के गंभीर रूप धारण करने के कारण अशक्त हुआ उम्मीदवार सन् 1972 में होने वाली परीक्षा में अपने अवसर के रूप में बैठ सकता है ।
- (iii) सन् 1970 में निर्मुक्त हुआ उम्मीदवार सन् 1972 में होने वाली परीक्षा में अपने दूसरे अवसर के रूप में बैठ सकता है ।
- नोट :—उपरोक्त खण्ड (ii) में उल्लिखित प्रावधान सन् 1970 में निर्मुक्त होने वाली उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा ।

10. उम्मीदवार के पास परिशिष्ट 1 में उल्लिखित विश्वविद्यालयों में से किसी एक से प्राप्त वनस्पति-विज्ञान, रसायन-विज्ञान, भू-विज्ञान, भौतिकी और जीव-विज्ञान विषयों में से एक विषय के साथ स्नातक उपाधि अवश्य होनी चाहिए, अथवा कृषि में स्नातक उपाधि या इंजीनियर की स्नातक उपाधि होनी चाहिए या परिशिष्ट 1 (क) में उल्लिखित अर्हताओं में से कोई एक अर्हता होनी चाहिए, बशर्ते कि वह उस परिशिष्ट में निर्धारित शर्तों को पूरा करता हो।

**नोट 1 :—**यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हता परीक्षा (क्वालीफाइंग एग्जामिनेशन) में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है बशर्ते कि वह अर्हता-परीक्षा इस परीक्षा के आरम्भ होने से पहले समाप्त हो जाए। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्य शर्तें पूरी करता हो, तो इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की ऐसी अनुमति अन्तिम मानी जाएगी और यदि वह अर्हता-परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी-से-जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करता, तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

**नोट 2 :—**विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षा पास की हो जिसके स्तर को देखते हुए आयोग उस को परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

**नोट 3 :—**यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट 1 में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग, यदि उचित समझे तो, उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

11. सशस्त्र सेना में सेवा करने वाले उम्मीदवार को इस परीक्षा के लिए अपना आवेदन-पत्र अपनी यूनिट के कमान अधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो उसे संघ लोक सेवा आयोग

को भेजेगा। यदि उम्मीदवार स्वयं ही अपनी यूनिट का कमान अधिकारी है तो उसे आवेदन-पत्र अपने अगले उच्च अधिकारी को प्रस्तुत करना चाहिए।

सब अन्य सरकारी सेवा के उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश के लिए विभागाध्यक्ष की पूर्ण अनुमति अवश्य लेनी होगी।

12. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

13. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा, जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

14. यदि कोई उम्मीदवार किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए पैरवी करने को कोई कोशिश करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग ने किसी दूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने अथवा जाली या फेर बदल किए हुए प्रमाण-पत्र पेश करने अथवा गलत या झूठा तथ्य प्रस्तुत करने अथवा किसी ठोस तथ्य को छिपाने या परीक्षा भवन में कोई अनुचित उपाय अपनाने या अपनाने की चेष्टा करने अथवा परीक्षा भवन में किसी तरह का अनुचित आचरण करने या परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित उपाय अपनाने के फलस्वरूप अपराधी घोषित किया है तो उसके विरुद्ध दण्डक अभियोजन के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्रवाई की जा सकती है :—

(क) सदा के लिए अथवा किसी विशेष अवधि के लिए वारित किया जाना :

(i) आयोग द्वारा उम्मीदवारों के लिए आयोजित किसी परीक्षा में सम्मिलित होने अथवा किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से।

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार के अन्तर्गत नौकरी से।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार की सेवा में हो तो उचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

16. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने ग्युप्ततम अर्हता अंक (मीनिमम क्वालिफाइंग मार्क्स) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे, तो उसे आयोग मौखिक परीक्षा (वाइवा बोरी) के लिए बुलाएगा।

17. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणामस्वरूप मौखिक परीक्षा के लिए सफलता प्राप्त करता है तो गृह मंत्रालय उससे अलग से कहेगा कि वह अपनी तरजीह का क्रम गृह मंत्रालय को सूचित करे, जिसके अनुसार विभिन्न राज्य संघर्षों में आर्बटन के लिए उनके नाम पर विचार किया जाए।

18. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उही क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

परन्तु आयोग, जिम सीमा तक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या निर्धारित स्तर के अनुसार न भरी जा सके उस सीमा तक आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए, स्तर में ढील देने हुए अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों की सिफारिश करेगा, बशर्ते कि वे सेवा में नियुक्ति के लिए योग्य हों, भले ही इस परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका स्थान कहीं भी हो।

19. (क) यदि परीक्षा के परिणाम पर, योग्य उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या निर्मुक्त आपात कमीशन प्राप्त अफसरों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसरों द्वारा भरे जाने वाले आरक्षित रिक्त स्थानों के लिए प्राप्त नहीं हैं तो बिना भरे हुए रिक्त स्थानों को सरकार द्वारा इस विषय में निर्धारित ढंग से भरा जाएगा।

(ख) यदि योग्य उम्मीदवारों की संख्या, निर्मुक्त आपात कमीशन प्राप्त अफसरों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसरों के लिए आरक्षित रिक्त स्थानों की संख्या से अधिक हो तो उनमें से जो नियुक्त नहीं किए जाएं उनके नाम आने वाले वर्ष (वर्षों) में आरक्षित रिक्त स्थानों के कोटा में नियुक्ति के लिए प्रतीक्षक सूची (वेटिंग लिस्ट) पर रख दिए जाएंगे।

20. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

21 परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

22. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। आयोग द्वारा मौखिक परीक्षा के लिए बुलाए गए उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा करवाई जा सकती है।

नोट:—याद में निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल-सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों

की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके लिए स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके व्यौरे नियमों के परिशिष्ट 4 में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के मूल-पूर्व विभाग सैनिकों को सेवा (ओं) की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

शारीरिक स्वस्थता (मेडिकल-फिटनेस) की इस शर्त की ओर ध्यान विशेष तौर से दिलाया जाता है जिसके अनुसार बार घंटे में 25 किलोमीटर पैदल चलने की परीक्षा ली जाएगी।

23. ऐसा कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह का विधितः समझौता किया हो जिसकी पत्नी/पति जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने अपनी पत्नी/पति के जीवित रहते किसी व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह का विधितः समझौता किया हो इस सेवा में नियुक्ति के योग्य नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यदि सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर और विवाह करने वाले दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिगत नियमों के अन्तर्गत इस तरह के विवाह की अनुमति दी जा सकती है, और ऐसा करने के दूसरे आधार भी हो, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम बन्धन से छूट दे सकती है।

24. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती हैं।

25. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट-III में दिया गया है।

एम० आर० भारद्वाज, अवसर सचिव

परिशिष्ट 1

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची

(नियम 10 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम से निर्गमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थान जो संसद् के अधिनियम से स्थापित किया गया हो अथवा अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्व-विद्यालय मान लिए जाने की घोषणा हो चुकी हो।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय,  
मांझरे विश्वविद्यालय

## इंग्लैण्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय

बर्मिंघम, ब्रिस्टल, केंब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन, मैन्चेस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिंग, शेफील्ड और वेल्स के विश्व-विद्यालय, ।

## स्काटलैण्ड के विश्वविद्यालय

एबरडीन, एडिनबरा, ग्लासगो और मेंट एन्ड्रयूज विश्वविद्यालय

## आयरलैण्ड के विश्वविद्यालय

डबलिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज)  
नेशनल यूनिवर्सिटी, आयरलैण्ड  
क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट

## पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय  
ढाका विश्वविद्यालय  
सिंध विश्वविद्यालय  
राजशाही विश्वविद्यालय

## नेपाल का विश्वविद्यालय

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू

## परिशिष्ट 1-(क)

परीक्षा के प्रवेश पाने के लिए अनुमोदित योग्यताओं की सूची

(नियम 10 के अनुसार)

- \* 1 फ्रांसीसी परीक्षा। "Propedentique"
- \* 2 उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कौंसिल ऑफ रूरल हायर एजुकेशन) से ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा ।
- \* 3 विश्वभारतीय विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा ।
- \* 4 अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का "उच्च पाठ्यक्रम" यदि "पूर्ण छात्र" (फुल स्टुडेंट) के रूप में यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो ।
- \* 5 भारतीय वैज्ञानिक संस्थान, बंगलौर की सहसृष्टि या शिक्षावृत्ति ।
- 6 बरिष्ठ सेवाओं और केन्द्रीय सरकार के अधीन पदों पर भर्ती के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (अल इंडिया कौंसिल फार टैक्निकल एजुकेशन) से इंजीनियरी या तकनीकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा ।
- 7 इंजीनियरों की संख्या (इंडिया) की सह-सदस्यता की परीक्षा के "क" और "ख" भाग ।
- 8 लाबोरी कालेज, लेसेस्टर शायर का इंजीनियरी का आनर्स डिप्लोमा बशर्ते कि उम्मीदवार ने प्राथमिक परीक्षा पास कर ली हो या उससे उसे छूट दे दी गई हो ।

\* नोट:—1 से 5 तक की योग्यताएं तब तक स्वीकृत नहीं होंगी, जब तक उम्मीदवार इन विषयों में से कम से कम किसी एक में पास नहीं हो:—वनस्पति, विज्ञान, रसायन, भू-विज्ञान, गणित, भौतिकी तथा प्राणि विज्ञान ।

## परिशिष्ट—2

## लिखित परीक्षा की रूपरेखा

## 1. प्रतियोगिता परीक्षा के विषय :—

(क) नीचे पैरा 2 में बताए अनुसार 300 पूर्णांक के दो विषयों की लिखित परीक्षा ।

(ख) ऐसे उम्मीदवारों की मौखिक परीक्षा जिन्हें आयोग द्वारा बुलाया जायगा, इस मौखिक परीक्षा के पूर्णांक 300 होंगे जिनमें से 50 अंक सशस्त्र सेना में सेवा के रिकार्ड के मूल्यांकन के लिए निर्धारित होंगे ।

2. लिखित परीक्षा के विषय दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

विषय	दिया जाने वाला समय	पूर्णांक
(I) सामान्य अंग्रेजी	3 घण्टे	150
(II) सामान्य ज्ञान	3 घण्टे	150

3. परीक्षा का पाठ्य विवरण संलग्न अनुसूची के अनुसार होगा और लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र वे ही होंगे जो इसके साथ-साथ होने वाली नियमित भारतीय बन सेवा परीक्षा की योजना में दिए गए संगत विषयों के लिए होंगे ।

4. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे ।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा । उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी ।

6. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है ।

7. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे ।

8. अनावश्यक ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे ।

9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जायगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग और ठीक-ठीक की गई है ।

अनुसूची  
(परिशिष्ट II के पैरा 3 के अनुसार)  
भाग "क"

प्रश्न पत्रों का स्तर ऐसा होगा जिसकी भारतीय विश्व-विद्यालय के विज्ञान इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है।

(1) सामान्य अंग्रेजी :

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा। अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे जिनसे उसके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर प्रयोग की जांच हो सके। सामान्यतः संक्षेप लेखन या सार लेखन के लिए अवतरण दिए जाएंगे।

(2) सामान्य ज्ञान :

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा प्रतिदिन के प्रेक्षण और अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जाती है। जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

भाग "ख"

मौखिक परीक्षा :—एक बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मौखिक परीक्षा ली जाएगी, बोर्ड के सामने प्रत्येक उम्मीदवार के कैरियर का वृत्त होगा, जिसमें सशस्त्र सेनाओं में उसकी सेवा का वृत्त भी शामिल होगा। उम्मीदवार में सामान्य रुचि के विषयों और उसके शैक्षिक के विषयों तथा सशस्त्र सेनाओं के उसके अनुभवों के संबंध में प्रश्न पूछे जाएंगे। सक्षम और निष्पक्ष पर्यवेक्षकों के बोर्ड द्वारा सेवा के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना मौखिक परीक्षा का उद्देश्य है।

2. मौखिक परीक्षा में पूरी तरह से प्रति परीक्षा (क्रॉस एग्जामिनेशन) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती, बल्कि उम्मीदवार के ऐसे मानसिक गुणों का उद्घाटन करने के उद्देश्य से किए जाने वाले स्वाभाविक किन्तु साथ ही निर्दिष्ट और सोद्देश्य वार्तालाप की प्रणाली अपनाई जाती है, बौद्धिक उत्सुकता, आलोचनात्मक प्रेक्षण तथा ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, और मानसिक सतर्कता, पहल, उपाय और नेतृत्व की क्षमता, सामाजिक संगठन की योग्यता, मानसिक और शारीरिक शक्ति और व्यवहारिक ज्ञान की शक्ति, चारित्रिक निष्ठा, और अन्य गुण जैसे भौगोलिक ज्ञान, बाह्य प्राकृतिक जीवन के प्रति प्रेम और अज्ञान तथा अगम्य स्थानों को खोजने की इच्छा।

परिशिष्ट-III

(नियम 25 के अनुसार)

परिशिष्ट में संक्षेप में सेवा की शर्तों का वर्णन किया गया है जो नियमित भारतीय वन सेवा परीक्षा द्वारा भर्ती

किए गए उम्मीदवारों पर लागू है। जो उम्मीदवार वर्ष परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे उनकी वरिष्ठता और वेतन सरकार द्वारा इस संबंध में जारी किए गए विशेष आदेशों के अनुसार विनियमित होंगे।

(क) नियुक्तियां परख पर की जाएंगी जिसकी अवधि तीन वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परख की अवधि में भारत सरकार के के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान, पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परख अवधि के समाप्त होते पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर खण्ड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) भारतीय वन सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(च) वेतनमान :—

जूनियर वेतनमान—रु० 400-400-450-30-  
600-35-670-द० रो०  
35-950।

सीनियर वेतनमान—रु० 700 (छठे वर्ष या उससे पहले)-40-1100-50/2-  
1250।

वनपाल—रु० 1300-60-1600-100-1800।

मुख्य वनपाल—रु० 2000-125-2250।

वन महानिरीक्षक—रु० 3000 (नियत)।

महगाई भत्ता :—समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा। परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर समय में प्रारम्भ होगी और उन्हें परख पर बिताई गई अवधि को समयमान में वेतन वृद्धि छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(छ) भविष्य निधि :—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ज) छुट्टी :—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 में शासित होते हैं।

(झ) डाक्टरी परिचर्या :—भारतीय वन सेवा के आधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के अन्तर्गत अनुमत्य डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है।

(ङ) सेवा निवृत्ति लाभ :—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए, भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (मृत्युव सेवा निवृत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

#### परिशिष्ट-4

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(नियम 22 के अनुसार)

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अभीष्ट शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षक (Medical Examiners) के लिए भी सामान्य निर्देश हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरी नहीं करता उसे स्वास्थ्य परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकते। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह, लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार से यह सिफारिश कर सके कि उक्त उम्मीदवार की सरकारी सेवा में लिया जा सकता है और हमने सरकार को कोई हानि नहीं होगी। किन्तु यह बात भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा। पूर्व रक्षा सेवा विकलांग कर्मियों के लिए स्तर में सेवा की आवश्यकता के अनुसार छूट दी जाएगी।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षता पूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. चलने की जांच :—उम्मीदवार को 4 घण्टे में पूर्ण होने वाली 25 किलोमीटर चलने की जांच में सफलता प्राप्त करनी होगी। वन-महानिरीक्षक भारत सरकार द्वारा यह जांच करने की व्यवस्था इस प्रकार से की जाएगी कि वह स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की बैठकों के साथ साथ ही हो।

3. (क) भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त

समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती का घेर में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवारों को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य करेगा।

(ख) कद और छाती का घेर कम से कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

कद	छाती का घेर (पूरा फैलाकर)	फैलाव
सें० मी०	सें० मी०	सें० मी०
163	84	5 (पुरुषों के लिए)
150	79	5 (महिलाओं के लिए)

गोरखा, गढ़वाली, असमिया नागालैण्ड की आदिम जातियां आदि के उम्मीदवारों के लिए, जिनका औसत कद विशेष रूप से कम होता है, कम से कम निर्धारित कद में छूट दी जाती है।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाय एड़ियों के पावों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडनियां, नितंब और कंधे माप दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स आफ दि हैड लेवेल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और, आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भांति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फिरियर एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहें। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कंधे ऊपर या पीछे न किए जाए, जिससे कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट :—अन्तिम निश्चय लिए जाने से पूर्व उम्मीदवार का कद तथा छाती का नाप दो बार लिया जाना चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्लैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :-

(I) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या विलक्षणता (एबनार्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को ऐसा भेंगापन या आंखों, पलकों अथवा साथ लगी सरचनाओं (कटिगुअस स्ट्रक्चर्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके अयोग्य होने की संभावना हो तो उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(II) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो जांचें की जाएंगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग से परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारों द्वारा इसे रिकार्ड किया जायगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फॉर्मेशन) मिला जाएगा।

चश्मों के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक का नजर का मानक निम्नलिखित होगा :-

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
(ठीक की हुई नजर)		(ठीक की हुई नजर)	
6/6	6/12	जे० I	जे० II
या			
6/9	6/9		

(1) फंडस परीक्षा—जब कभी संभव होगी मेडिकल बोर्ड की इच्छा पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किए जाएंगे।

(2) कलर विजन—(I) रंगों के संबंध में नजर की जांच जरूरी है।

(II) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो लैटर्न के द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हों।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मी० मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकंड

(III) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इंडिहारा की प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त टैटर्न और अच्छे रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वासनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों में जांच करनी चाहिए।

(3) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा पुष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसा जांच का नतीजा असंतोषजनक या सदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(4) रतोंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़ कर रतोंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है, रतोंधी या अन्धेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई नियत स्टैंडर्ड टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्धेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि की पकड़ रिकार्ड करना उम्मीदवारों के अपने कथनों पर कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

(5) दृष्टि की पकड़ से भिन्न आंख की अवस्थाएँ (आब्ज्युअल कंडिशनस)—(क) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई वर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रैक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रैकोमा)—यदि रोहे जटिल न हों तो वे आम तौर पर अयोग्यता का कारण नहीं होंगे।

(ग) भेंगापन (स्विक्ट) द्विनेत्री (वाइनाकुलर) दृष्टि का होना लाजमी है। नियम स्टैंडर्ड की दृष्टि की पकड़ होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(घ) एक आंख वाले व्यक्ति—नियुक्ति के लिए एक आंख वाले व्यक्तियों की सिफारिश नहीं की जाती।

8. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)—

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ बिधि नीचे दी जाती है।

- (i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाए। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

**प्याम बीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर को और 90 से ऊपर के डास्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यात्मक (आर्गेनिक बीमारी) है ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हृल्लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (लोयरेम) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।**

**ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका—**

नियमन: पारेवाले दाबमापी (मर्करी मेंतोमीटर) किस्म का आना (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बगैरे कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाता है। भुजा पर से कन्धे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिम्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ या प्रगंड धमनी (ब्रेविअल आर्टरी) को दबा दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है यह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जाएं, यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षेमकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाता है। यदि दोबारा पड़ना जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी

कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गैप" से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

9. परीक्षक को उपस्थिति में किए गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मैडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक का पता चले तो बोर्ड इसके दूसरे सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के स्रोत किन्हीं और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मैडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मैडिसन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मैडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख रेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई औरत उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसकी अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसकी प्रसूति न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा कर्ता से आरोग्य का स्वास्थ्यता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण पत्र के लिए, उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सकते तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बगैरे कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैली है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रफचर (हार्निया या फटन) है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसिल, बड़ी हुई बेरिफोसिल, बेरिफोज शिरा (वेन) या बबासीर है या नहीं ;

(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी संधियां भली भाँति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं ।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं । कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी निशान है या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे ।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं ।

12. दिल और फफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो माधारण शारीरिक परीक्षा से जान न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए ।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए । मैडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निश्चय करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मैडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने का कोई हक नहीं है । किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जाँच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में, प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे सकती है । ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मैडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने के तारीख के एक महीने के अंदर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा ।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मैडिकल प्रमाण पत्र पेश करे तो इस प्रमाण पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि इस में संबंधित मैडिकल प्रैक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मैडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो ।

#### मैडिकल बोर्ड की रिपोर्टें

मैडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा-काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (एपाईटिंग अथॉरिटी) को, यह तसल्ली नहीं होगी

कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इन्फार्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए योग्य हो या उसके अयोग्य होने की सम्भावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय-पूर्व पेंशन या उदायगीओं को रोकना है । साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो तो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो ।”

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मैडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सह्योजित किया जाएगा । मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए ।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु मैडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका व्योरा नहीं दिया जा सकता है ।

ऐसे मामलों में जहां मैडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (ओपधाल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां मैडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए । नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को कोई बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थिति होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है ।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी और से अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए । निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दे दिया जाना चाहिए ।

(क) उम्मीदवार की कथन और घोषणा :—

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिकलेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए । नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए ।

1. अपना पूरा नाम लिखें—  
(साफ अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं—

2(क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी नागालैंड आदिम जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं, जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है ? “हां” या “नहीं” में उत्तर दीजिए, और यदि उत्तर “हां” में है तो उस जाति का नाम बताइए ।

3(क) क्या आपको कभी चेचक रुक रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी फेफड़े की बीमारी, मूछों के दौरे रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा है और जिसका मैडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक आदि का अन्तिम टीका कब लगा था ;

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है ?

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्योरा दें ।

यदि पिता जीवित हों तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	यदि पिता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु के कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उन की आयु स्वास्थ्य की अवस्था मृत्यु के कारण
---	--	---	--

यदि माता जीवित हों तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	यदि माता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय उसकी आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	---	---	---

7. क्या इसके पहले किसी मैडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ? .....

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर “हां” हो तो बताइए किस सेवा/सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ? .....

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ? .....

10. कब और कहाँ मैडिकल बोर्ड हुआ ? .....

11. मैडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो .....

मैं घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर .....

मेरे सामने हस्ताक्षर किए —

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर .....

नोट—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा जान बूझ कर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति से बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्ति हो भी जाए तो नार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन एलॉउंस) या उपदान (ग्रेचुटी) के सभी दावों से ह्रास हो बैठेगा ।

(ख) ..... की शारीरिक परीक्षा की मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट ।

1. सामान्य विकास :

अच्छा ..... बीच का ..... कम .....

पोषण पतला ..... औसत .....

मोटा ..... कद (जूते उतार कर) .....

वजन ..... अत्युत्तम वजन .....

कब था ? ..... वजन में कोई हाल ही में

हुआ परिवर्तन .....

तापमान .....

छाती का घेर .....

(1) पूरा सांस खींचने पर .....

(2) पूरा सांस निकालने पर .....

2. त्वचा—कोई जाहिरि बीमारी .....

3. नेत्र—

(1) कोई बीमारी .....

(2) रतींधी .....

(3) कलर विजन का दोष .....

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) .....

(5) दृष्टि की पकड़ (बिजुअल एक्विटी) .....

दृष्टि की पकड़	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की पावर गोल सिलि० अक्ष
----------------	---------------	----------	------------------------------

दूर की नजर दा० ने०

बा० ने०

पास की नजर दा० ने०

बा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया दा० ने०

(व्यक्त) बा० ने०

4. कान: निरीक्षण.....सुनना  
दायां कान.....बायां कान.....
5. ग्रंथियां.....थाइराइड.....  
दांतों की हालत.....
7. श्वसन तन्त्र (रेस्पिरैटरी सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा ब्यौरा दें?
8. परिसंचरण तन्त्र (सर्कुलेटरी सिस्टम)  
(क) हृदय: कोई आंशिक क्षति (आगेनिक लीजन)?  
.....  
गति रेट:  
बढ़े होने पर :  
25 बार कुदाए जाने के बाद.....  
कुदाए जाने के 2 मिनट के बाद.....  
(ख) ब्लड प्रेशर.....सिस्टोलिक.....  
.....डायस्टोलिक.....
9. उदर (पेट): घेर.....दाब बेदना (टेंडरनेस) हुनियां.....  
(क) दबा कर मालूम पड़ना, जिगर.....  
तिल्ली.....गुर्दे.....  
द्यूमर.....  
(ख) बवासीर के मससे.....फिस्चुला ।
10. तांत्रिक तन्त्र (नर्वस सिस्टम) तन्त्रका या मानसिक अशक्तता का संकेत.....
11. चाल तन्त्र (लोकोमोटर सिस्टम)  
कोई विलक्षणता.....
12. जनन मूल तन्त्र (जेनिटी यूरिनरी सिस्टम) हाइड्रोसील, वैरिफोसिल आदि का कोई संकेत ।  
मूल परीक्षा—  
(क) कैसा दिखाई पड़ता है.....  
(ख) स्पेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व).....  
(ग) एल्ब्यूमेन.....  
(घ) शक्कर.....  
(ङ) कास्ट.....  
(च) केशिकाएं (सैल्स).....
13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह भारतीय वन सेवा की इयूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

15. क्या वह भारतीय वन सेवा में दक्षतापूर्वक और निरन्तर इयूटी निभाने के लिए सभी तरह से योग्य पाया गया है ?

नोट:—बोर्ड के अपना जांच-परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए ।

(i) योग्य (फिट)

(ii) अयोग्य (अनफिट), जिसका कारण.....

(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण.....

स्थान.....

अध्यक्ष (चेयरमैन)

तारीख.....

सदस्य.....

सदस्य.....

### संजीमंडल सचिवालय

#### कार्मिक विभाग

#### नियम

नई दिल्ली दिनांक 15 जनवरी 1972

—(मन्त्रिमण्डल सचिवालय

में कार्मिक विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान) द्वारा 1972 में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड 3 में अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिए ली जाने वाली विशेष प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्व साधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ।

2. सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निहित विधि से किया जाएगा ।

परीक्षा की तारीखें और स्थान संस्थान द्वारा निर्धारित किए जाएंगे ।

3. (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) सिक्किम की प्रजा, या

(ग) नेपाल की प्रजा, या

(घ) भूटान की प्रजा, या

(ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या

(च) ऐसा मूल भारती व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, उगान्डा तथा संयुक्त गणराज्य तंगानिया (भूतपूर्व टांगानिका व जंजीबार) से प्रव्रजित हुआ हो । परन्तु ऊपर की श्रेणी (ग), (घ), (ङ), और (च) से सम्बन्धित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए ।

तथापि ऊपर की श्रेणी (च) के उन गैर नागरिक उम्मीदवारों जो संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आ गए और तभी से लगातार उस सेवा में हैं के मामलों में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा परन्तु जो व्यक्ति सेवा भंग करके 26 जनवरी 1950 के बाद उसी सेवा में फिर आया हो अथवा फिर आए उसे सामान्य रीति से पात्रता प्रमाण-पत्र लेना आवश्यक होगा।

(2) किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है यदि सरकार आवश्यक प्रमाण पत्र दे दे तो उसे परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है तथा अनन्तिम रूप से उसकी नियुक्ति भी की जा सकती है।

(4) जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित न हों या संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी न हो या संघ राज्य क्षेत्र गोवा/दमन तथा दीव का निवासी न हो, या केन्या/उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन करके न आया हो वह प्रतियोगिता में दो से अधिक बार नहीं बैठ सकता। यह प्रतिबन्ध सन् 1972 में ली जाने वाली परीक्षा से लागू होगा।

(5) (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की गई हो और 1 जनवरी 1972 को पूरे 24 साल की न हुई हो, अर्थात् उस का जन्म 2 जनवरी 1948 से पहले और 1 जनवरी 1954 के बाद न हुआ हो।

(ख) उस ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष आयु तक की छूट दी जाएगी जो संघ राज्य प्रशासन सहित भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों/विभागों तथा निर्वाचन आयोग अथवा केन्द्रीय सतर्क आयोग के कार्यालयों में आशुलिपिकों (भाषा आशुलिपिकों सहित) लिपिकों/आशु-टंककों/हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंककों के पद पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी 1972 को जिन्होंने आशु-लिपिकों (भाषा आशुलिपिकों सहित)/लिपिकों/आशुटंककों/हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंककों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा कर ली है और उसी रूप में सेवा कर रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उपर्युक्त आयु सीमा में छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो संघ लोक सेवा आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा आयोजित किसी पूर्व परीक्षा के आधार पर आशुलिपिक नियुक्त हैं।

(ग) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामले में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो, उनकी सशस्त्र सेना में कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक उपरी आयु सीमा में छूट दी जायेगी।

परन्तु इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार केवल भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए ही प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

3-411GI/71

नोट :—उपरोक्त नियम 5(ग) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आवान पर सेवा की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जायेगी।

(ग) उक्त ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित और अधिक छूट दी जायेगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (2) यदि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 या उसके बाद प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो और किसी स्तर पर उसकी शिक्षा फ्रेंच भाषा के माध्यम से हुई हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (5) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर 1964 को या उसके पश्चात श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (7) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन और दीव का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (8) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा, और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजित हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,

- (9) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यार्पित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून 1963 को या उसके पश्चात् भारत से प्रव्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (10) यदि उम्मीदवार अनसूचित जाति या अनसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यार्पित भारतीय मूल का व्यक्ति हो, और पहली जून 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (11) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा उपद्रव ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय अशक्य हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा-सेवा कार्मिकों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (12) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा उपद्रव ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय अशक्य हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा सेवा कार्मिकों के मामले में जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से संबंधित हो, अधिकतम 8 वर्ष तक।
- ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा ऊपर बिहित आयु सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।**
- टिप्पणी (1)—**उपयुक्त नियम 5(ख) के अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश किए गए व्यक्ति की उम्मीदवारी उस हालत में रद्द कर दी जाएगी यदि वह आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात् परीक्षा से पहले अथवा बाद में सेवा से त्यागपत्र दे देता है अथवा उसके विभाग द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात् सेवा अथवा पद से उसकी छंटनी कर दी जाती है तो भी वह परीक्षा के योग्य बना रहेगा।
- (2) आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक सहित)/लिपिक/आशु टंकक/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक जो सक्षम प्राधिकारियों के अनमोदन से निसंवर्ग पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्य प्रकार से पात्र हो, तो इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।
- (6) यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षाओं में से कोई एक पास की हो या उसके पास निम्न-लिखित में से एक प्रमाण पत्र हो :—
- (1) भारत के केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्व-विद्यालय की मैट्रिक परीक्षा ;
- (2) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल/कोर्स के अन्त में शलान्त (स्कूल लीविंग) माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाण-पत्र के दिए जाने के लिए, जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष मानती हो, ली गई कोई परीक्षा ;
- (3) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज) ;
- (4) राज्य सरकारों द्वारा ली गई यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा ;
- (5) अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र,
- (6) दिल्ली पोलिटेक्निक के तकनीकी हायर सेकेण्डरी स्कूल/की दसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र,
- (7) भारत में किसी मान्यता प्राप्त हायर सेकेण्डरी स्कूल/मल्टीपरपज स्कूल द्वारा हायर सेकेण्डरी पाठ्यक्रम/मल्टीपरपज पाठ्यक्रम (जो किसी छात्र को डिग्री के कोर्स के लिए पात्र बनाता है के उपान्तिम वर्ष में ली गई परीक्षा) में उत्तीर्ण,
- (8) किसी मान्यता प्राप्त हायर सेकेण्डरी स्कूल या इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार कराने वाली किसी मान्यता प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र,
- (9) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए,
- (10) बंगाल (साइंस) स्कूल सर्टिफिकेट,
- (11) नेशनल काउन्सिल आफ एजुकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद्) जादवपुर, पश्चिमी बंगाल की (शुरू से लेकर) फाइनल स्कूल स्टैंडर्ड परीक्षा,
- (12) पांडिचेरी की नीचे लिखी फ्रेंच परीक्षाएं :—
- (1) ब्रीवे एलिमेन्टेयर,
- (2) ब्रीवे देससीमा प्रीमियर लांग इंडियन,
- (3) ब्रीवे दे एत्यूव ट्यू प्रीमियर सिकल
- (4) ब्रीवे दे एसोमा प्रीमियर सुपीरियर दे लांग इंडियन और
- (5) ब्रीवे दे लांग इंडियन (वर्नाक्यूलर),
- (13) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन,
- (14) भारतीय नौसेना का हायर एजुकेशन टैस्ट,
- (15) एडवांस क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा,
- (16) सीलोन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा,

- (17) ईस्ट बंगाल सेकेण्डरी एजुकेशन बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र,
- (18) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) स्थित कौनीला/राजशाही खुलना/जैसोर के बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजुकेशन द्वारा दिए गए सैकेण्डरी स्कूल के प्रमाण पत्र,
- (19) नेपाल सरकार की स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, परीक्षा,
- (20) एंग्लोवर्नक्यूलर स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (बर्मा),
- (21) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एग्जामिनेशन सर्टिफिकेट,
- (22) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एंग्लोवर्नक्यूलर हाई स्कूल परीक्षा (यू.इ. पूर्व),
- (23) बर्मा का पोस्ट वार स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट,
- (24) गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की विनित परीक्षा,
- (25) गोवा, दमन दीव की पुर्तगाली परीक्षा नाइसिमूम के पांचवें वर्ष में पास,
- (26) सामान्य स्तर पर श्री लंक की सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन नामक परीक्षा यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिंहली या तमिल सहित छः विषयों में पास की गई हो,
- (27) सामान्य स्तर पर लंदन के ऐसोसिएटिड एग्जामिनेशन बोर्डस का अनरस सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हो,
- (28) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर/सेकेण्डरी तकनीकी स्कूल परीक्षा।
- (29) वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की पूर्व मध्यमा (अंग्रेजी सहित) या पुरानी खण्ड मध्यमा (प्रथम दो वर्ष का पाठ्यक्रम) तथा उस विद्यालय के विषयों में से एक विषय अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में विशिष्ट परीक्षा,
- (30) गोवा, दमन तथा दीव की स्वतंत्रता से पूर्व पुर्तगाली स्थापना के अन्तर्गत इस्कोला इन्डस्ट्रियल, कार्मशियल दी गोवा, पाणजी द्वारा दिया गया/कार्ता दी कार्ता दी, फोर्मिका दी सेरलेहरी (सिमिथी पाठ्यक्रम का प्रमाण पत्र) तथा कार्ता दी कुर्सी दी मोन्तादर इलैक्ट्रोसिस्टा (इलैक्ट्रीसियन) पाठ्यक्रम का प्रमाण-पत्र।

टिप्पणी 1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा, जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, दे चुका हो, लेकिन उस के परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। जो उम्मीदवार उक्त किसी अर्हक (क्वालिफाइंग) परीक्षा में बैठना चाहते हों, वे भी आवेदन पत्र दे सकते हैं बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले समाप्त हो जाय। ऐसे उम्मीदवारों को यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों, परीक्षा में बैठने दिया जायेगा, किन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम होगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के शुरू होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के अन्दर प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकेगी।

टिप्पणी 2 : कुछ विशिष्ट मामलों में, किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है, केन्द्रीय सरकार अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकता है, बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है, जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

7. (1) जिस व्यक्ति ने —

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका पति/पत्नि पहले से है, या

(ख) जिसने, जीवित पति/पत्नि के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है तो सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जायेगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाय कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सम्बन्धी अन्य पक्ष के लिए पूर्वतन्य व्यक्ति कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकृत है तथा ऐसा करने के अन्य कारण हैं और उसको इस नियम से छूट न दे दे।

8. जो उम्मीदवार स्याई या अस्याई हैसियत से पहले से ही सरकारी सेवा कर रहा हो, उसे इस परीक्षा में बैठने से पहले अपने विभाग अध्यक्ष की अनुमति अवश्य ले लेनी चाहिए।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सम्बन्धित सेवा/पद/के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित शारीरिक परीक्षा के बाद

किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा कर सका है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी जिन पर नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किये जाने की सम्भावना हो।

**टिप्पणी :—**अशक्त भूतपूर्व रक्षा सेवा कर्मिकों के मामले में रक्षा सेवा के सेम विषटन डाक्टरी बोर्ड (डिमोबी-लाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए प्रयोज्य समझा जायेगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास संस्थान का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ ऐडमिशन) न हो।

12. उम्मीदवारों को संस्थान के नोटिस के पैरा 5 में विहित फीस देनी होगी।

13. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो वह उम्मीदवार परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

14. यदि कोई उम्मीदवार संस्थान द्वारा इस बात के लिए दोषी घोषित किया जाये या किया गया हो कि उसने दूसरे व्यक्ति से अपनी परीक्षा दिलवाई है या जाली प्रलेख अथवा ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किये हैं जिन में हेरा-फेरी की गई है या गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या कोई महत्वपूर्ण बात छिपाई है या परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी और अनियमित या अनुपयुक्त तरीके से काम लिया है अथवा परीक्षा भवन में अनुचित तरीकों का प्रयोग किया है या प्रयोग करने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में कोई दुर्व्यवहार किया है, तो अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोजी-यशन) चलाये जाने के अतिरिक्त उसे :—

(क) स्थायी रूप से अथवा किसी निश्चित अवधि के लिए

(1) संस्थान, उम्मीदवारों से चुनाव के लिए अपने द्वारा ली जाने वाली, किसी भी परीक्षा या इन्टरव्यू में शामिल होने से रोक सकता है, और

(2) केन्द्रीय सरकार अपने अधीन नियुक्त किए जाने से वर्जित कर सकती है।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकारी सेवा में हुआ तो उसके खिलाफ उपयुक्त नियमों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

15. भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण किया जाएगा।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अर्थ उस किसी भी जाति/आदिम जाति से है जिसका अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति आदेश संशोधन सूचियां अधिनियम, 1956 बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जाति/आदिम जाति (तरमीम) आदेश, 1956, संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश 1956 संविधान (अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1959, संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962 संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन व दीव) आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 में उल्लेख है।

भूतपूर्व सैनिक का अर्थ उस व्यक्ति से है जो संघ की शास्त्र सेना में किसी भी पद पर (चाहेलड़ाकू के रूप में रहा हो अथवा नहीं) निरन्तर 6 मास की अवधि तक रहा हो और दुराचार या अवक्षता के कारण पदच्युत या सेवा मुक्त किए जाने को छोड़कर अन्य किसी भी कारण से नौकरी से मुक्त कर दिया गया है अथवा ऐसी मुक्ति को अनिर्णीत रखकर आरक्षण में बदली हो गई है अथवा निर्मुक्ती के योग्य होने के लिए अपेक्षित सेवा पूरी करने में या उपर्युक्त आरक्षण में बदले जाने के लिए 6 महीने से ज्यादा की अवधि नहीं है।

**स्पष्टीकरण :—**इन नियमों के लिए “संघ की शास्त्र सेना” का अर्थ संघ की समुद्री, मिलिट्री तथा वायु दल की सेनाएं और भूतपूर्व भारतीय रियासतों की शास्त्र सेनाएं शामिल होंगी।

16 परीक्षा के पश्चात् अन्तिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के आधार पर संस्थान उम्मीदवार की गुणानुक्रम में सूची बनायेगा, और उसी क्रम से परीक्षा परिणामों के आधार पर भरे जाने के लिए निश्चित अना-रक्षित रिक्त स्थानों की संख्या के अनुसार जितने उम्मीदवारों की परीक्षा के द्वारा अर्हता प्राप्त देखेगी, उनकी केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी III में नियुक्ति के लिए सिफारिश करेगा।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई तो संस्थान द्वारा निर्धारित सामान्य मान के अनुसार उसे उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित कर देने पर उस सेवा/पद में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी।

जो भूतपूर्व सैनिक परीक्षाफल के आधार पर संस्थान द्वारा नियुक्ति के योग्य समझे जाएंगे वे अपने लिए आरक्षित रिक्तियों में नियुक्ति के योग्य होंगे और इस

नियुक्ति के लिए परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

आगे यह भी शर्त है कि भूतपूर्व सैनिकों के अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई तो उन अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिकों को जिन्हें संस्थान की शर्तों के अनुसार नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित किया गया तो उस सेवा/पद पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसे उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिये बिना ही उसकी सफाई कर दी जाएगी।

17. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय संस्थान अपने विवेकानुसार करेगा और संस्थान परिणामों के संबंध में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

18. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार सन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है तब तक परीक्षा से पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

19. उन सेवाओं/पदों से संबंधित सेवा के विवरण, जिनके लिये इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है, संक्षेप में परिशिष्ट II में दिए गए हैं।

एम० के० वासुदेवन, अवर सचिव

#### परिशिष्ट I

(1) परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

भाग क—लिखित परीक्षा

विषय	दिया गया समय	पूर्णांक
(1) अंग्रेजी	3 घंटे	100
(2) सामान्य ज्ञान	3 घंटे	100

भाग ख—अंग्रेजी अथवा हिन्दी में आशुलिपि परीक्षा (जो लिखित परीक्षा में पास होंगे उन्हीं के लिए)

300 अंक

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि के नोट को टंकण मशीन पर नकल करना होगा और इस उद्देश्य के लिए उन्हें अपनी ही टाइप मशीन साथ लानी होगी।

(2) लिखित परीक्षा का पाठ्य-क्रम तथा आशुलिपि परीक्षा की योजना इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिए अनुसार होंगे।

(3) उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे लिखित परीक्षा के सामान्य ज्ञान के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि में) किसी में करें। प्रश्न पत्र (2) में छूट

पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगी न कि उसमें किसी भाग के लिए।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देंगे उन्हें आशुलिपि परीक्षा भी हिन्दी (देवनागरी) में ही देनी होगी, और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी में देंगे उन्हें आशुलिपि परीक्षा भी अंग्रेजी में ही देनी होगी।

टिप्पणी:—लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र (2) सामान्य ज्ञान तथा आशुलिपि परीक्षा के प्रश्नों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि में) देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना इरादा आवेदन पत्र के कालम 8 में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि ये लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा का उत्तर अंग्रेजी में देंगे। एक बार प्रयोग किया गया विकल्प अन्तिम होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी 2.—जो उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 3 के अनुसार विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों में परीक्षा देना चाहते हैं और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (2) का उत्तर तथा आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षा देने के लिए विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशन में, जहां ऐसी परीक्षा लेने के आवश्यक प्रबंध हों, जाना पड़ सकता है।

4. लिखित परीक्षा का अंग्रेजी प्रश्न पत्र (1) का उत्तर सभी उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में देना अनिवार्य है।

5. जो उम्मीदवार 100 शब्द प्रति मिनट वाले श्रुतलेखन में न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे वे 80 शब्द प्रति मिनट वाले श्रुतलेखन में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से क्रम में ऊपर होंगे। प्रत्येक वर्ग में उम्मीदवारों को दिए गए कुल अंकों के अनुसार पारस्परिक प्रवृत्ता अनुक्रम से रखा जाएगा (निम्नलिखित अनुसूची के भाग (ख) को देखें)।

6. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

7. संस्थान अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

8. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो संस्थान द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे।

9. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

10. लिखित विषयों में अस्पष्ट लिखावट के कारण, पूर्णांक के 5 प्रतिशत तक काट लिए जाएंगे।

11. परीक्षा के सभी विषयों में आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में, क्रम बद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई अभिव्यक्ति को श्रेय दिया जायेगा।

**अनुसूची****भाग—क****लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम**

**टिप्पणी :—**भाग "क" के प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्व विद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है।

**अंग्रेजी :—** इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के अंग्रेजी व्याकरण और निबन्ध रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की योग्यता की जांच करना है। अंक देते समय वाक्य-विन्यास सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा कौशल को ध्यान में रखा जायेगा। इस प्रश्न-पत्र में निबन्ध लेखन, सार लेखन, मसौदा लेखन, शब्दों का शुद्ध प्रयोग, आसान मुहावरों और उपसर्ग, प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष भाषण आदि शामिल किए जा सकते हैं।

**सामान्य ज्ञान :—**भारत का संविधान, पंच वर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, सामयिक घटनाएं, सामान्य विज्ञान के विषयों का थोड़ा बहुत ज्ञान तथा दिन प्रतिदिन नज़र आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े-लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तर से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझा है। उनके उत्तरों से किसी पाठ्यक्रम पुस्तक के व्यौरेवार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती।

**भाग—ख****आशुलिपि परीक्षा की योजना**

अंग्रेजी में आशुलिपि की दो श्रुतलेख परीक्षाएं होंगी— एक 100 शब्द प्रतिमिनट की गति से 7 मिनट के लिए और दूसरी 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 50 तथा 65 मिनट में लिप्यंतर (नकल) करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की दो श्रुतलेख परीक्षाएं होंगी— एक 100 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 80 शब्द प्रति मिनट की (गति से 10 मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 60 तथा 75 मिनट में लिप्यंतर (नकल) करनी होगी।)

**परिशिष्ट 2**

उन सेवाओं से संबंधित विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की इस समय चिन्ह चार श्रेणियां हैं :—

**चयन श्रेणी :—**350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो० 30-830-35-900 (श्रेणी 1 से पद उन्नत व्यक्तियों को वेतनमान में न्यूनतम 500/-र० मासिक वेतन दिया जाता है)।

**श्रेणी :—** 350 र० 25-650-द० रो०-30-700 (श्रेणी 2 से पद उन्नत व्यक्तियों को वेतनमान में 400/- मासिक न्यूनतम वेतन दिया जाता है।)

**श्रेणी 2 :—** -210 र०-10-270-15-300-द०-रो० 15-450-द० रो०-20-530।

**श्रेणी 3 :—**130 र०-5-160-8-200-द० रो०-8-256-द० रो०-8-280।

(2) श्रेणी 3 में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष के लिए परीवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान वे सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और परीक्षाएं पास करेंगे।

(3) परीवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार सम्बन्धित व्यक्ति की अपने पद पर पुष्टि कर सकती है अथवा उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीवीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा की श्रेणी 3 में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। वे किसी भी समय किसी भी ऐसे दूसरे कार्यालय या मन्त्रालय में बदले जा सकते हैं।

(5) सेवा की श्रेणी 3 में नियुक्त किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगली उच्च श्रेणी में पद उन्नति के पात्र होंगे।

**कृषि मंत्रालय****(कृषि विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1971

स० 30-1/71-प० वि० III—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 30-1/71-प० वि०-III दिनांक 25-9-71 के क्रम में और इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 20-20/69-प० वि०-III दिनांक 26/29-11-69 के आंशिक संशोधन में, भारत सरकार ने निर्णय किया है कि प्रशासन निदेशक, विस्तार निदेशालय, केन्द्रीय गोसंवर्धन परिषद् के जिस कार्ड एकाउन्ट को प्रचालित कर सकते हैं, उसकी

निर्धि को 1-12-71 से 31-3-72 तक बढ़ा दिया जाए या उस तिथि तक, जब तक अनिर्णीत दावों का निपटारा नहीं हो जाता, इनमें जो भी पहले हो।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति समस्त राज्य सरकारों, संघ शासित क्षेत्र के प्रशासन, भारत सरकार के मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, लोक सभा सचिवालय तथा राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

बी० पी० गुलाटी, उप-सचिव

#### (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्)

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1971

सं० 28(1)/71-सी० डी० एन०-1—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के नियम 75 के उपबन्धों के अधीन राष्ट्रपति, अर्थशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के प्रो० मोहम्मद शब्बीर खां, को श्री एच० डी० शोरी की सदस्यता की नियम 11(ए) के अधीन, परिसमाप्ति पर कृषि-अर्थशास्त्र, सांख्यिकी एवं विपणन अनुसंधान की स्थायी समिति के सदस्य 11 दिसम्बर, 1971 से 18 नवम्बर, 1972 तक की अवधि के लिए, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 दिसम्बर 1971

सं० 34(4)/71-सी० डी० एन०-1—डा० एन० के० पत्रिकर, निदेशक, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, पंजाजी (गोवा) जिनको इस मंत्रालय अधिसूचना सं० 30(11)/69-सी० डी० एन०-1 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, दिनांक 20 अगस्त 1969 के द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की शासी निकाय के सदस्य मनोनीत किया गया था, सोसाइटी के नियम 35 जिसको नियम 11 (बी०) के साथ पढ़ा जाय के अधीन उक्त निकाय की उनकी सदस्यता 4 अगस्त 1971 को परिसमाप्त हो गयी है। तथापि परिषद् के अध्यक्ष (कृषि मंत्री) सहर्ष नियम 35 जिसको नियम 10 के साथ पढ़ा जाय, के उपबन्धों के अधीन उनको उनकी सदस्यता की शेष अवधि अर्थात् 4 अगस्त 1971 से 4 अगस्त 1972 तक के लिए शासी निकाय के सदस्य पुनः मनोनीत करते हैं।

एम० एल० राय, उप-सचिव

#### (सामुदायिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1971

सं० आर०-13011/1/71-सी० डी० एन०—भारत सरकार ने सामुदायिक विकास और पंचायती राज के उद्देश्यों को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त नीतियों के बारे में सलाह देने के लिए इस विषय के विभिन्न तथ्यवस्तुओं के एक राष्ट्रीय मंच की स्थापना करने की आवश्यकता स्वीकार की है। तदनुसार, दो सलाहकार परिषदें, एक सामुदायिक विकास सम्बन्धी तथा दूसरी पंचायती राज सम्बन्धी, क्रमशः दिसम्बर 1968 तथा अप्रैल 1969 में गठित की गई थीं।

चूंकि सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज के युग्म उद्देश्य आपस में निकट से गुंथे हुए हैं, अतः दोनों ही परिषदों ने एक मंच तथा अपने विलयन की आवश्यकता पर बल दिया है। तदनुसार, भारत सरकार ने वर्तमान दो परिषदों को परस्पर मिलाने और सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज सम्बन्धी एक सलाहकार परिषद गठित करने का निर्णय किया है।

2. परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा :

- (1) अध्यक्ष केन्द्रीय कृषि मंत्री
- (2) उपाध्यक्ष कृषि मंत्रालय में केन्द्रीय राज्य मंत्री (सामुदायिक विकास विभाग के कार्यभारी)।
- (3) सदस्य
  1. कृषि मंत्रालय में केन्द्रीय राज्य मंत्री (खाद्य तथा कृषि विभागों के कार्यभारी)।
  2. कृषि मंत्रालय में केन्द्रीय उप मंत्री।
  3. डा० बी० एस० सिन्हा, सदस्य, योजना आयोग।
  4. सचिव, कृ० सामु० वि० तथा सह० विभाग, कृषि मंत्रालय।
  5. अतिरिक्त सचिव, साम० वि० विभाग, कृषि मंत्रालय।
  6. सामुदायिक विकास और पंचायती राज के कार्यभारी मंत्री, आन्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद।
  7. सामुदायिक विकास और पंचायती राज के कार्यभारी मंत्री, असम सरकार, शिलांग।
  - \* 8. \_\_\_\_\_ के कार्यभारी मंत्री, बिहार सरकार, पटना।
  - \* 9. \_\_\_\_\_ के कार्यकारी मंत्री, गुजरात सरकार, अहमदाबाद।
  10. सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज के कार्यभारी मंत्री, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़।
  11. विकास मंत्री (सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज के कार्यभारी), हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला।
  12. कृषि मंत्री, जम्मू तथा काश्मीर सरकार, जम्मू/श्रीनगर।

13. हरिजन कल्याण तथा आवास मंत्री,  
केरल सरकार, त्रिवेंद्रम ।
14. पंचायती राज मंत्री,  
मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल ।
15. श्रम तथा ग्राम विकास मंत्री,  
महाराष्ट्र सरकार, बम्बई ।
16. उद्योग तथा कृषि मंत्री,  
मेघालय सरकार, शिलांग ।
- \* 17. \_\_\_\_\_ के  
कार्यभारी मंत्री,  
मैसूर सरकार, बंगलूर ।
18. सामुदायिक विकास के कार्यभारी  
मंत्री, नागालैण्ड सरकार,  
कोहिमा ।
19. सामुदायिक विकास तथा पंचा-  
यती राज के कार्यभारी मंत्री,  
उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर ।
- \* 20. \_\_\_\_\_ के  
कार्यभारी मंत्री,  
पंजाब सरकार, चंडीगढ़ ।
21. सामुदायिक विकास तथा पंचा-  
यती राज के कार्यभारी मंत्री,  
राजस्थान सरकार, जयपुर ।
22. शिक्षा तथा स्थानीय प्रशासन  
मंत्री (सामुदायिक विकास  
तथा पंचायती राज के कार्य-  
भारी), तमिलनाडु सरकार,  
मद्रास ।
23. सामुदायिक विकास तथा  
पंचायती राज के कार्यभारी मंत्री,  
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ ।
- \* 24. \_\_\_\_\_ के  
कार्यभारी मंत्री,  
पश्चिम बंगाल सरकार,  
कलकत्ता ।
25. श्री शिव नारायण सरसूनिया,  
कार्यकारी पार्षद, दिल्ली महा-  
नगर परिषद, दिल्ली ।
26. सामुदायिक विकास तथा पंचा-  
यती राज के कार्यभारी राज्य  
मंत्री, गोवा, दमन तथा दीव  
सरकार, पनाजी ।
27. गृह मंत्री (सामुदायिक विकास  
के कार्यभारी), पांडिचेरी  
सरकार, पांडिचेरी ।
- \* 28. \_\_\_\_\_ के  
कार्यभारी मंत्री,  
मणिपुर सरकार, इम्फाल ।
29. मुख्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार,  
अगरताला ।
30. श्री विश्वनारायण शास्त्री, सदस्य,  
लोक सभा ।
31. श्री भोला रौत, सदस्य,  
लोक सभा ।
32. श्री धर्मराव, शरनप्पा, अफजल-  
पुरकर, सदस्य, लोक सभा ।
33. श्री मुहम्मद उस्मान,  
सदस्य, राज्य सभा ।
34. श्री टी० एन० सिंह,  
सदस्य, राज्य सभा ।
35. डीन, राष्ट्रीय सामुदायिक विकास  
संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदरा-  
बाद ।
36. अध्यक्ष, केन्द्रीय समाज कल्याण  
बोर्ड, नई दिल्ली ।
37. अध्यक्ष, अखिल भारतीय पंचा-  
यत परिषद,  
ए-23, कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली ।
38. श्रीमती ए० बहबुद्दीन अहमद,  
अवैतनिक महा सचिव,  
भारतीय ग्रामीण महिला संघ,  
मार्फत श्री एस० बहबुद्दीन अहमद,  
अध्यक्ष, रेलवे सेवा आयोग,  
चर्च गेट, बम्बई-20 ।
39. श्री टी० एस० अविनाशिलिंगम,  
श्री रामकृष्ण मिशन विद्यालय,  
जिला कोयम्बटूर, दक्षिण भारत ।
40. श्री विमल कुमार चौरडिया,  
भानपुरा, जिला सुंदसौर, मध्य  
प्रदेश ।
41. प्रो० बी० के० एन० सैनन,  
टी० सी० 24/290,  
सेन्ट्रल स्टेडियम के निकट,  
त्रिवेंद्रम, केरल ।
42. श्री रिशांग केशिंग, मंत्रीपुखारी,  
इम्फाल (मणिपुर) ।
43. श्री संग्राम मकनीकर, अध्यक्ष,  
जिला परिषद्, उस्मानाबाद  
(महाराष्ट्र राज्य) ।

44. श्री फजलुर रहमान, सदस्य,  
विधान परिषद, एम० एन० ए०,  
फ्लेट संख्या 10,  
गार्डन रोड, पटना (बिहार)।

45. श्री एम० एन० आहुजा,  
रूरल एजेन्सी सर्विस, 13/27,  
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-8।

46. श्री लक्ष्मनराव एच० पालवी,  
गृह एण्ड पोस्ट मेन्हाकारी नगर  
तालुक, जिला अहमदनगर  
(महाराष्ट्र)।

47. श्री राम शंकर विपाठी, प्रबन्ध  
निदेशक, जिला सहकारी बैंक  
लि०, राय बरेली (उत्तर  
प्रदेश)।

48. श्रीमती दया चौधरी, ममाज  
सेविका, चर्खी दादरी। झोझू  
क्लां, जिला महेन्द्रगढ़  
(हरियाणा)।

49. श्रीमती ए० नफीसथ बीबी,  
एडवोकेट, एल्लेप्पी (केरल)।

(4) सदस्य सचिव 50. संयुक्त सचिव, सामुदायिक  
विकास विभाग, कृषि मंत्रालय।

राज्य में लोकप्रिय सरकारों की स्थापना के पश्चात् शामिल  
किए जाएंगे।

3. सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज सम्बन्धी एकीकृत  
परिषद के कार्य ये होंगे :—

(क) सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज से सम्बन्धित  
समस्याओं के बारे में सरकार को सलाह देना;

(ख) सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज के कार्यान्वयन  
में हुई प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करना और  
सुधार के लिए उपायों की सिफारिश करना; और

(ग) आर्थिक विकास तथा सामुदायिक कार्यवाही दोनों ही  
की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक  
विकास कार्यक्रम के लिए पर्याप्त साधन और जन-  
सहयोग प्राप्त कराने और साथ ही पंचायती राज का  
विकास करने तथा इसे सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक  
अनुकूल स्थानीय पहल सुनिश्चित कराने के लिए  
अपेक्षित उपायों के बारे में केन्द्र तथा राज्यों को सलाह  
देना।

4. परिषद के सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष होगा।

5. परिषद की बैठक आवश्यकता पड़ने पर बुलाई जाएगी,  
किन्तु वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य होगी।

6. इस मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित किए गए संकल्प  
संख्या 11/1/67-सी० पी० एण्ड बी० दिनांक 10 दिसम्बर 1968,  
4-411GI/71

जिसमें सामुदायिक विकास सम्बन्धी सलाहकार परिषद का गठन  
किया गया था और संकल्प संख्या 5-1/66-पी० आर० दिनांक  
5 अप्रैल 1969, जिसमें पंचायती राज सम्बन्धी सलाहकार परिषद  
का पुनर्गठन किया गया था, को रद्द किया जाता है।

### आदेश

आदेश है कि इस संकल्प की प्रति सभी सम्बन्धितों को भेजी  
जाए।

यह भी आदेश है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में आम  
जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाए।

एम० रामकृष्णय्या, अपर सचिव

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

#### सार्वजनिक सूचना

#### फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली-1, दिनांक 28 दिसम्बर 1971

सं० ए० 18015/43/71-एफ० एफ० सी०—भारत सरकार  
के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संकल्प संख्या 7/51/69-  
एफ० आई० (एन० ए०), तारीख 7 मई, 1971 में अधिसूचित  
फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों सम्बन्धी नियमावली के नियम  
3 और 6 के अनुसार, फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारार्थ प्रविष्टियां  
आमंत्रित की जाती हैं। प्रविष्टियां 1971 के कैलेंडर वर्ष में  
सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित की गई निम्नलिखित श्रेणियों  
की भारतीय फिल्मों के सम्बन्ध में ही भेजी जा सकेंगी :—

#### (1) फिल्म कला के रूप में

- (1) वर्ष की सर्वोत्तम फीचर फिल्म।
- (2) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म।
- (3) वर्ष की सर्वोत्तम बाल फिल्म।

#### (2) फिल्म सूचना साधन के रूप में

- (4) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (डॉकुमेन्ट्री)।
- (5) सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म।
- (6) सर्वोत्तम सामाजिक फिल्म (जो समकालीन सामाजिक  
समस्याओं का चित्रण तथा उनका निष्पक्ष विश्लेषण  
करती हो)।

#### (7) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म :

- (1) व्यावसायिक
- (2) अव्यावसायिक

#### (3) विशेष प्रकार की छोटी फिल्में

- (8) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म।
- (9) सर्वोत्तम कार्टून (एनीमेशन) फिल्म।

2. उपरि उल्लिखित तथा अन्य श्रेणियों की फिल्मों के बारे में  
प्रविष्टियां निर्माता (निर्माताओं) या उस (उन) द्वारा विधिवत

अधिकृत किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा 31 जनवरी, 1972 तक भेजी जा सकती है। प्रविष्टियाँ उपरि निर्दिष्ट नियमावली से संलग्न परिशिष्ट में दिए गए फार्म में, दो प्रतियों में भेजनी चाहिए। 35 मि० मी० में 1000 मीटर और 16 मि० मी० में 400 मीटर से अधिक लम्बी फीचर फिल्मों और छोटी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि फार्म के साथ 100/- रुपये की और इससे कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि फार्म के साथ 50—रुपये की ट्रेजरी रसीद भी भेजनी चाहिए। उक्त राशि केन्द्रीय सरकार के खाते में मुख्य शीर्ष "एल-2 मिसलेनियस" के अन्तर्गत जमा करवानी चाहिए।

3. विभिन्न श्रेणियों की फिल्मों के बारे में प्रविष्टियाँ नीचे दिए गए अधिकारियों के पास भेजनी चाहिए :—

- (क) प्रादेशिक अधिकारी, (1) हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी और भोजपुरी, राजस्थानी और मैथिली जैसी सम्बन्धित बोलियों सहित), पंजाबी, काश्मीरी, गुजराती, मराठी (कोंकणी सहित), सिन्धी और अंग्रेजी की फीचर फिल्में।
- (2) सभी भाषाओं की डाकु-मेन्ट्री फिल्में।
- (3) प्रेरक फिल्में (व्यावसायिक और अव्यावसायिक)
- (4) सभी भाषाओं की बाल फिल्में।
- (5) सभी भाषाओं की शैक्षणिक फिल्में।
- (6) सभी भाषाओं की समाजिक फिल्में।
- (7) सभी भाषाओं की प्रयोगात्मक फिल्में।

(8) सभी भाषाओं की कार्टून फिल्में।

(ख) प्रादेशिक अधिकारी, बंगला, उड़िया और असमिया केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, की फीचर फिल्में।  
8, एस्प्लेनेड ईस्ट,  
थर्ड फ्लोर, कलकत्ता-1

(ग) प्रादेशिक अधिकारी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, मलयालम की फीचर ब्लॉक 3, पांचवी मंजिल, फिल्में।  
सैन्ट्रल गवर्नमेंट बिल्डिंग,  
35, हैडोस रोड, मद्रास-6

प्रिन्टें सम्बन्धित प्रादेशिक अधिकारी द्वारा बताए गए स्थानों पर भेजनी होंगी।

4. केन्द्रीय समिति के देखने के लिए चुनी गई फिल्म के प्रवेशक को अपने खर्चे पर फिल्म की प्रिन्ट तथा उसके कथासार की अतिरिक्त 20 प्रतियों, जिसके साथ कलाकारों की सूची तथा गीतों की हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में पुस्तकें हों, के अतिरिक्त विस्तृत कथोपकथन की अपेक्षित संख्या में प्रतियाँ, 6 फोटो, हिन्दी और अंग्रेजी में क्रिप्ट की प्रतियाँ और फिल्म से सम्बन्धित प्रचार सामग्री भी भेजनी होगी।

5. पुरस्कारार्थ प्रविष्टि के लिए बाल फिल्म की अधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 3,400 मीटर या 16 मि० मी० में 1,360 मीटर होगी। रचना फिल्म (डाकुमेन्ट्री) के मामलों को छोड़कर, "फिल्म सूचना साधन के रूप में" तथा "विशेष प्रकार की छोटी फिल्मों" की श्रेणियों के अन्तर्गत प्रविष्टि होने वाली फिल्म की अधिकतम लम्बाई 25 मि० मी० में 1000 मीटर या 16 मि० मी० में 400 मीटर होगी। बाल फिल्म के रूप में प्रविष्टि फिल्म फीचर के रूप में और फीचर फिल्म के रूप में प्रविष्टि फिल्म बाल फिल्म के रूप में प्रविष्टि नहीं हो सकेगी।

के० के० खान, अव्वर सचिव।

#### President's Secretariat

New Delhi, the 28th December 1971

No. 86-Pres./71.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Ram Dayal,  
Constable No. 491,  
District Chhatarpur,  
Madhya Pradesh.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 15th of April, 1971, information was received by the Police that the gang of dacoit Phaddi Raja was hiding in village Bhojpura. A police party, including Shri Ram Dayal, Constable, was detailed for searching the dacoit gang in the early morning of 16th April, 1971. When the Police party were checking probable haunts of the dacoit, they were fired

upon by the dacoits from a close range. The dacoits were hiding in a *nala*. Even though the police party was on an open ground, they remained undeterred. Finding that the dacoits will take advantage of their position in the *nala* and would escape, Shri Ram Dayal made an effort to take position in the *nala* in order to cut off the escape route of the dacoits. In this attempt he came face to face with the dacoits, but he continued to exchange fire with them in disregard of his personal safety. During the course of the firing, Shri Ram Dayal sustained a bullet injury and was killed on the spot.

In this encounter, Shri Ram Dayal exhibited exemplary gallantry and courage and laid down his life while discharging his duties.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 16th April, 1971.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

**CABINET SECRETARIAT (DEPARTMENT OF  
PERSONNEL)  
RULES**

*New Delhi, the 15th January, 1972*

No. 4/771-AIS(IV).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1972, for selection of Released Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers who were Commissioned in the Armed Forces after 1st November, 1962, but before 10th January, 1968, for the purpose of filling vacancies reserved for them in the Indian Forest Service are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended by the (Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

4. Subject to the provisions of these Rules,

- (i) Emergency Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces after 1st November 1962 but before 10th January, 1968 and who have been released during the years 1970 and 1971 will be eligible to appear at the examination,
- (ii) Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces after 1st November 1962 but before 10th January, 1968 and who have been released during the years 1970, 1971 or 1972 prior to the date of this notification or are due to be released thereafter till the end of 1972 will be eligible to appear at the examination.

NOTE 1.—For the purpose of these Rules, 'release' means :

- (i) release as per the scheduled year of release,
- (ii) invalidment owing to a disability attributable to or aggravated by military service,

from the Armed Forces after a spell of service, and *not* during or at the end of training, or during or at the end of Short Service Commission granted to cover the period of such training prior to being taken in actual service, nor does it cover cases of officers released on account of misconduct, or inefficiency or at their own request.

NOTE 2.—The expression "scheduled year of release" means :—

- (i) in so far as it relates to the Emergency Commissioned Officers the year in which they are due for release in accordance with the phased programme approved by the Government of India in the Ministry of Defence; and
- (ii) in so far as it relates to the Short Service Commissioned Officers, the year in which their normal tenure of 3 or 5 years as the case may be as Short Service Commissioned Officers is to expire.

NOTE 3.—The candidature of a person is liable to be cancelled, if after submitting his application, he is granted permanent Commission in the Armed Forces, or he resigns from the Armed Forces, or he is released therefrom on account of misconduct, inefficiency or at his own request.

NOTE 4.—Engineers and Doctors employed under the Central Government or State Governments or Government owned industrial undertakings who are required to service in the Armed Forces for the minimum prescribed period under the Compulsory Liability Scheme and who are granted Short Service Commission under the relevant rules during the period of such service will not be eligible for admission to this examination.

NOTE 5.—Officers belonging to the Volunteer Reserve Forces of the Armed Forces and called upon for temporary service will not be eligible for admission to this examination.

5. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon, and the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

6. (a) A candidate must *not* have attained the age of 24 years on the 1st July of the year in which he joined the pre-commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post Commission training).

(b) The age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January 1964;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya.

Uganda or the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);

- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (xi) up to a maximum of three years in the case defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of defence services personnel disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes;
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963, is a *bona fide* displaced person from Pakistan;
- (xiv) up to a maximum of eight years if a candidate who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963, belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Pakistan;
- (xv) up to a maximum of four years if a candidate, who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963 or 1964 or 1965, is a resident of the Andaman and Nicobar Islands; and
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate, who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963 or 1964 or 1965, is an Indian citizen and is a repatriate from Ceylon.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED**

7. No candidate shall be permitted to compete more than two times at the examination, the restriction being effective from the examination held in 1968.

8. A candidate must take the examinations held in the year of his release and in the year following the years of his release, as his first and second chances respectively.

9. Notwithstanding anything contained in Rule 8—

- (i) a candidate released during 1971 may take the examination to be held in 1972 as his first chance;
- (ii) a candidate invalided owing to a disability attributable to or aggravated by military service, during 1970 after the closing date prescribed for receipt of applications for the 1970 examination may take the examination to be held in 1972 as his first chance.
- (iii) a candidate released during 1970 may take the examination to be held in 1972 as his second chance.

NOTE :—The provision contained in clause (ii) above will not apply to candidates who were due for release in 1970.

10. A candidate must hold a Bachelor's degree with at least one of the subjects namely, Botany, Chemistry, Geology, Physics and Zoology or a Bachelor's degree in Agriculture, or in Engineering of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A subject to the condition stipulated therein.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination,

is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the forgoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

11. A candidate serving in the armed forces must submit his application for this examination to the Officer Commanding his unit who will forward it to the Union Public Service Commission. A candidate who is himself the Officer Commanding his Unit must submit his application through his next superior officer.

All other candidates in Government Service must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

12. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

13. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

14. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

15. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated document or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination may, in addition to rendering himself liable to a criminal prosecution :—

(a) be debarred either permanently or for a specified period :—

- (i) by the Commission from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and
- (ii) by the Central Government from employment under the Government.

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate Rules, if he is already in service under Government.

16. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for the *viva voce*.

17. A candidate who, on the results of the written part of the examination, qualifies for the *Viva Voce* will be separately asked by the Ministry of Home Affairs to communicate to them the order of preferences in which he would like to be considered for allotment to various States.

18. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard

to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

19. (a) If on the result of the examination, a sufficient number of qualified candidates is not available to fill the vacancies reserved for released Emergency Commission/Short Service Commissioned Officers, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by the Government in this behalf.

(b) If the number of qualified candidates is larger than the number of vacancies reserved for released Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers the names of those who are not appointed shall be kept on the waiting list(s) for appointment against the quota of vacancies reserved for them in the succeeding year(s).

20. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

21. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service.

22. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the *viva voce* by the Commission may be required to undergo medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon (before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service.

Attention is particularly invited to the condition of medical fitness involving a walking test of 25 Kilometres in 4 hours.

#### 23. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

24. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into Service.

25. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

M. R. BHARDWAJ  
Under Secretary

#### APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India  
(vide Rule 10)

##### INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutes established by an Act of Parliament, or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

##### UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.  
The University of Mandalay.

##### ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

##### SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

##### IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).  
The National University of Ireland.  
The Queen's University, Belfast.

##### UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.  
The Dacca University.  
The University of Sind.  
The Rajshahi University.

##### UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

##### APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (vide Rule 10).

- \*1. French-Examination "Propedeutique".
- \*2. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.
- \*3. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
- \*4. 'Higher Course' of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student".
- \*5. Associateship or Fellowship of the Indian Institute of Science, Bangalore.
6. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education, recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.
7. Sections A and B of the Associate Membership Examination of the Institution of Engineers (India).
8. Hons. Diploma in Engineering of the Loughborough College, Leicestershire, provided that a candidate has passed the common preliminary examination or has been exempted therefrom.

\*NOTE.—Qualifications 1 to 5 will not be acceptable unless the candidate has passed the examination with at least one of the subjects namely, Botany, Chemistry, Geology, Physics and Zoology.

##### APPENDIX II

##### Plan of the Examination

1. The competitive examination comprises :

- (a) Written examination in two subjects as shown in para 2 below carrying a maximum of 300 marks.
- (b) *Viva voce* for such of the candidates as may be called by the Commission carrying a maximum of 300 marks of which 50 marks shall be assigned to the Evaluation of the Record of Service in the Armed Forces.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject, will be as follows :

Subject	Time allowed	Maximum Marks
(i) General English	3 hours	150
(ii) General Knowledge	3 hours	150

3. The syllabus for the examination will be as in the attached Schedule; and the question papers for the written examination will be the same as for the corresponding subjects in the scheme of the regular Indian Forest Service Examination which will be held concurrently.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

8. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

#### SCHEDULE

(Vide para 3 of Appendix II)

##### PART A

The standard of papers will be such as may be expected of a Science/Engineering graduate of an Indian University.

##### (1) General English

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

##### (2) General Knowledge

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

##### PART B

*Viva voce*: The candidates will be examined by a Board who will have before them a record of the career of each candidate, including service in the Armed Forces. The candidate will be asked questions on matters of general interest and his subjects of academic study, as also on his experience in the Armed Forces. The object of the *Viva voce* is an assessment of the suitability of the candidate for the Service by a Board of competent and unbiased observers.

2. The technique of the *Viva voce* is not that of a strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the mental qualities of the candidate, e.g., the intellectual curiosity, critical powers of observation and assimilation, balance of judgement, and alertness of mind; initiative, tact capacity for leadership; the ability for social cohesion; mental and physical energy and powers of practical application; integrity of character; and other qualities such as topographical sense, love for out-door life and the desire to explore unknown and out of way places.

#### APPENDIX III

(Vide Rule) 25

The Appendix briefly describes the conditions of service as applicable to candidates recruited through the regular Indian Forest Service Examination. The seniority and pay of the candidates who may be appointed on the results of this examination would be regulated in accordance with the special orders issued by the Government in this behalf.

(a) Appointments will be made on probation for a period of three years which be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If, in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clauses (b) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Forest Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

Scales of pay :—  
Junior Scale.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

Senior Scale.—Rs. 700 (6th year or under)—40—1100—50/2—1250.

Conservator of Forests.—Rs. 1300—60—1600—100—1800.

Chief Conservator of Forests.—Rs. 2000—125—2250.

Inspector General of Forests.—Rs. 3,000 (fixed).

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will be started on the Junior time scale and permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(g) Provident Fund.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955.

(h) Leave.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955.

(i) Medical Attendance.—Officers of the Indian Forest Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service (Medical Attendance) Rules, 1954.

(j) Retirement Benefits.—Officers of the Indian Forest Service appointed on the basis of Competitive Examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

#### APPENDIX IV

#### REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL

#### EXAMINATION OF CANDIDATES

(Vide Rule 22)

(These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service).

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. *Walking test*.—The candidates will be required to qualify in walking test of 25 Kilometers to be completed in 4 hours. The arrangement for conducting this test will be made by the Inspector General of Forests, Government of India so as to synchronise with the sittings of the Medical Board.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

4. All question papers must be answered in English.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

(b) The minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Height	Chest girth (fully expanded)	Expansion
163 cms	84 cms	5 cms (For men)
150 cms	79 cms	5 cms (For women)

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

4. The candidates height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lie in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half centimetre should not be noted.

*N.B.*—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of a half of a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye-lids or contiguous structure of such a sort as to render, or likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected Vision)	Worse eye	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye
6/6	6/12	J. I	J. II
	or		
6/9	6/9		

NOTE :—

(1) *Fundus Examination.*—Wherever possible fundus examinations will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

(2) *Colour Vision.*—(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower Grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Grade of Colour Preception
1. Distance between the lamp and candidate	4.9 metres
2. Size of aperture .. .. .	1.3 mm.
3. Time of exposure .. .. .	5 sec.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and suitable lantern like Edrige Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinary be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only the one of the tests, both the tests should be employed.

(3) *Field of vision.*—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(4) *Night Blindness.*—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night-blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(5) *Ocular conditions other than visual acuity.*—(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma.*—Trachoma, unless complicated, shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint.*—As the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) *One-eyed persons.*—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

8. *Blood Pressure.*

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

*N.B.*—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

#### *Method of taking Blood Pressure*

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as a pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear;
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

*NOTE.*—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing, appointed to determine their fitness for the above services. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a Second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

#### *Medical Board's Report*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) *Candidate's statement and declaration.*

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name, in full (in block letters).....
2. State your age and birth place .....
2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower.

Answer 'yes' or 'No,' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.....

Or

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?.....

4. When were you last vaccinated?.....
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause?.....

6. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	--	--

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	---	---

7. Have you been examined by a Medical Board before? .....
8. If answer to the above is Yes, please state what Service/Services you were examined for? .....
9. Who was the examining authority?.....
10. When and where was the Medical Board held? .....
11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known .....

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Signed in my presence.

Candidate's signature

Signature of the Chairman of the Board.

NOTE.— The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, for forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate physical examination).

1. General development : Good.....Fair.. Poor .....
- Nutrition : Thin .....Average .....Obese..
- Height (Without shoes).....Weight .....
- Best Weight .....When ? .....Any recent change in weight ? .....Temperature.....
- Girth of Chest.
- (1) (After full inspiration)
- (2) (After full expiration)
2. Skin : Any obvious disease .....
3. Eyes :
- (1) Any disease .....
- (2) Night blindness .....
- (3) Defect in colour vision .....
- (4) Field of vision .....
- (5) Visual acuity .....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glass Sph. Cyl. Axis.
Distant	R.E.		
	L.E.		
Near vision	R.E.		
	L.E.		
Hypermetropia (manifest)	R.E.		
	L.E.		

4. Ears : Inspection .....Hearing : Right Ear.....
- .....Left Ear .....
5. Glands .....Thyroid .....
6. Condition of teeth .....

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ? .....  
If yes, explain fully .....

8. Circulatory System :

(a) Heart: Any organic lesions ? .....  
Rate Standing .....

After hopping 25 times. ....

2 minutes after hopping. ....

(b) Blood Pressure : Systolic ..... Diastolic .....

9. Abdomen : Girth ..... Tenderness .....  
..... Herna .....

(a) Palpable : Liver ..... Spleen .....  
Kidneys ..... Tumours .....

(b) Hemorrhoids ..... Fistula .....

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disability .....

11. Loco-Motor System : Any Abnormality .....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele Varicocele etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance .....

(b) Sp. Gr. ....

(c) Albumen .....

(d) Sugar .....

(e) Casts .....

(f) Cells .....

13. Report of X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Indian Forest Service ?

NOTE.—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide para 10 of regulations relating to Physical Examination of candidates.

15. Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Forest Service ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of .....

(iii) Temporary unfit on account of .....

Place .....

Date .....

Chairman .....

Member .....

Member .....

#### Rules

New Delhi-22, the 15th January 1972

No. 10/1/72-CS.II.—The rules for a special competitive examination to be held by the Institute of Secretariat Training & Management in 1972 for the purpose of filling temporary vacancies in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service, are published for general information.

2. The examination will be conducted by the Institute of Secretariat Training & Management in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Institute.

3. (1) A candidate must be either :—

(a) a citizen of India, or

(b) a subject of Sikkim, or

(c) a subject of Nepal, or

(d) a subject of Bhutan, or

(e) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (e), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution, viz., 26th January, 1950 and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

(2) A candidate whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

4. A candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu, or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), shall not be permitted to compete more than twice at the examination. This restriction shall be effective from the examination to be held in 1972.

5. (A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 24 years on 1st January, 1972, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1948, and not later than 1st January, 1954.

(B) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers)/Clerks/Stenotypists/Hindi Clerk/Hindi Typist in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including language Stenographer)/Clerk/Stenotypist/Hindi Clerk/Hindi Typist on 1st January, 1972 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers, on the basis of earlier examinations, held by the Institute of Secretariat Training & Management or the Union Public Service Commission.

(C) The upper age limit will be relaxable in the case of examinations, held by the Institute of Secretariat Training & Management, in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for the vacancies reserved for ex-Servicemen only.

NOTE.—The period of "call up service" of an ex-Serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of Rule 5(C) above.

(D) The upper age limit in all the above cases, will be relaxable :—

(i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from Bangla Desh (formerly East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964;

- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Bangla Desh (formerly East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) up to a maximum of five years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry, and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar).
- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (xi) up to maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribe.
- SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.
- N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(B) above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will, however continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.
- (ii) A Stenographer (including language Stenographer)/ Clerk/Stenotypist/Hindi Clerk/Hindi Typist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.
6. Candidates must have passed one of the following examinations or must possess one of the following certificates :—
- (i) Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India;
  - (ii) an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course, for the award of a School Leaving Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services;
  - (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
  - (iv) European High School Examination held by the State Governments;
  - (v) Tenth Class certificate of the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry;
  - (vi) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
  - (vii) Pass in the examination held by a recognised Higher Secondary School/Multipurpose School in India, at the end of the penultimate year of a Higher Secondary Course/Multipurpose Course (which enables a candidate to get admission to the 3 year degree course);
  - (viii) Tenth Class Certificate from a recognised school preparing students for the Indian School Certificate Examination;
  - (ix) Junior Examination of the Jamia Millia Islamia Delhi in the case of *bona fide* resident students of the Jamia only;
  - (x) Bengal (Science) School Certificate;
  - (xi) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (Since inception);
  - (xii) the following French Examinations of Pondicherry;
    - (i) 'Brevet Elementaire' (ii) Brevet d'Enseignement Primaire de Langue Indienne' (iii) Brevet D'etudes du Premier Cycle' (iv) Brevet d'Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne' and (v) 'Brevet de Langue Indienne (Vernacular)';
  - (xiii) Indian Army Special Certificate of Education;
  - (xiv) Higher Educational test of the Indian Navy;
  - (xv) Advanced Class (Indian Navy) Examination;
  - (xvi) Ceylon Senior School Certificate Examination;
  - (xvii) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
  - (xviii) Secondary School Certificates granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khulna/Jessore in Bangla Desh (formerly East Pakistan);
  - (xix) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
  - (xx) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate (Burma);
  - (xxi) Burma High School Final Examination Certificate;
  - (xxii) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-war);
  - (xxiii) Post War School Leaving Certificate of Burma.
  - (xxiv) the "Vinit" examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
  - (xxv) Pass in the 5th Year of 'Lyceum' a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
  - (xxvi) General Certificate of Education Examination of Ceylon at 'Ordinary' level provided it is passed in six subjects including English and Mathematics and either Sinhalese or Tamil;
  - (xxvii) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Boards London at 'Ordinary' Level provided it is passed in five subjects including English; and
  - (xxviii) The Junior/Secondary Technical School Examination conducted by any of the State Boards of Technical Education.
  - (xxix) Purva Madhyama (with English), or Old Khand Madhyama (first two years course) and special Examination in additional subjects with English as one of the subjects of the Varanaseya Sanskrit Vishva Vidyalaya, Varanasi.
  - (xxx) Carta de Curso de Formacao de Serralheiro (Certificate in Smithy course) and Carta de Curso de Montador Electricista (Certificate in Electrician course) awarded by the Escola Industrial Commercial de Goa, Panaji, under the Portuguese set up prior to Liberation of Goa, Daman and Diu.

**Note 1.**—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

**Note 2.**—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of that Government justifies his admission to the examination.

**7. No person**

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**8.** A candidate already in Government service whether in a permanent or a temporary capacity must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

**9.** A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer, of the service. A candidate who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

**Note.**—In the case of disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

**10.** The decision of the Institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

**11.** No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Institute.

**12.** Candidates must pay the fee prescribed in paragraph 5 of the Institute's Notice.

**13.** Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

**14.** A candidate who is or has been declared by the Institute guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall, or of misbehaviour in the examination hall may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution.

(a) be debarred permanently or for a specified period :—

- (i) by the Institute, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Institute for selection of candidates; and

- (ii) by the Central Government from employment under them.

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

**15.** Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and for the ex-Servicemen in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966; the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Orders, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970

Ex-Serviceman means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or not) in the Armed Forces of the Union for a continuous period of not less than six months and who has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or has to serve for not more than six months for completing the period of service requisite for becoming entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

**Explanation :** For the purpose of this clause 'Armed Forces of the Union' means the Naval, Military or Air Forces of the Union and includes the Armed Forces of the former Indian States.

**16.** After the examination, the candidates will be arranged by the Institute in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Institute to be qualified by the examination shall be recommended for appointment to Grade III of the Central Secretariat Stenographers Service upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Ex-Servicemen who are considered by the Institute to be suitable for appointment on the results of the examination shall be eligible to be appointed to the vacancies reserved for them irrespective of their ranks in the order of merit at the examination :

Provided that ex-servicemen belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit of the examination.

**17.** The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in their discretion and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the result.

**18.** Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointments to the Service.

**19.** Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

M. K. VASUDEVAN  
Under Secretary

## APPENDIX I

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

## PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time Allowed	Maximum Marks
(i) English	3 hours	100
(ii) General Knowledge	3 hours	100

## PART B—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST).

300  
Marks.

NOTE.—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. The syllabus for the Written Test and the scheme of the Shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer paper (ii) *General Knowledge* of the Written Test, either in Hindi (Devanagari) or in English. The option will apply to the complete paper and not to a part thereof.

Candidates who opt to answer the aforesaid paper in Hindi (Devanagari) will be required to take the Shorthand Tests, also in Hindi (Devanagari only); and candidates who opt to answer the aforesaid paper in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only.

NOTE 1.—Candidates desirous of exercising the option to answer paper (ii) *General Knowledge*, of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in Col. 8 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand tests in English.

The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration in the said column shall be entertained.

NOTE 2.—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad, and exercising the option to answer paper (ii) *General Knowledge* and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 3 above, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

4. Paper (i) English, of the Written Test, must be answered in English by all candidates.

5. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 100 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 80 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (of Part B of the Schedule below).

6. Candidates must write the papers in their own hands. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

7. The Institute have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

8. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Institute in their discretion will be called for shorthand test.

9. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

10. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

11. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

## SCHEDULE

## PART A

## Standard and syllabus of the written test

NOTE.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

*English.*—The paper will be designed to test the candidates knowledge of English Grammar and Composition, and generally their power to understand and ability to write, correct English. Account will be taken of arrangement, general expression and workmanlike use of the language. The paper may include questions on essay writing; precis writing; drafting; correct use of words; easy idioms and prepositions; direct and indirect speech, etc.

*General Knowledge.*—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, general and economic geography of India, current events, everyday science and such matters of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

## PART B

## Scheme of Shorthand Tests

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests, one at 100 words per minute for seven minutes and another at 80 words per minute for ten minutes which the candidates will be required to transcribe in 50 and 65 minutes respectively.

The Shorthand Tests in Hindi will comprise two dictation tests, one at 100 words per minute for seven minutes and another at 80 words per minute for 10 minutes, which the candidates will be required to transcribe in 60 and 75 minutes respectively.

## APPENDIX II

Brief particulars relating to Services to which recruitment is being made through this examination.

## A. The Central Secretariat Stenographers' Service

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. (Persons promoted from Grade I are allowed a minimum salary of Rs. 500/- in the scale) :

Grade I : Rs. 350—25—650—EB—30—770 (Persons promoted from Grade II are allowed a minimum salary of Rs. 400/-).

Grade II : Rs. 210—10—270—15—300—EB—15—450—EB—20—530.

Grade III : Rs. 130—5—160—5—200—EB—8—256—EB—8—280.

(2) Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period, they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Government

(3) On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or, if his work or conduct, in the opinion of Government, has been unsatisfactory, he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons, recruited to Grade III of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade III of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in his behalf.

## (Department of Statistics)

New Delhi, the 23rd December 1971

No. M-13013/1/71-NSS.I.—In supersession of all previous notifications on the subject, the Government of India have reconstituted the Standing Committee for Improvement of Industrial Statistics. The composition of the Committee will be as under :—

## Chairman

- (1) Director, Central Statistical Organisation, New Delhi.

**Members**

- (2) Economic Adviser, Ministry of Industrial Development, New Delhi.
- (3) Shri V. V. Divatia, Adviser (Statistics), Department of Statistics, Reserve Bank of India, Bombay.
- (4) Director, Labour Bureau, Government of India, Simla.
- (5) Director, Bureau of Economics & Statistics, Government of Gujarat, Ahmedabad, for a period of one year with effect from 5-12-1971 (Directors, State Statistical Bureaus to be nominated for one year by rotation on Zonal basis).
- (6) Prof. N. C. Ghosh, Indian Statistical Institute, 203, Barrackpore Trunk Road, Calcutta-35.
- (7) Shri P. N. Mathur, Gokhale Institute of Politics & Economics, Poona.

**Members ex-officio**

- (8) Director, Field Operations Division, N.S.S. Organisation, R. K. Puram, New Delhi.
- (9) Joint Director, Industrial Statistics Wing, Central Statistical Organisation, 1, Council House Street, Calcutta 1.

2. The functions of the Committee shall continue to be as under :—

- (a) To examine the scope, coverage, concepts, definitions, technical procedures, etc., relating to the Annual Survey of Industries,
- (b) To examine Annual Survey of Industries schedules *vis-a-vis* tabulation requirements of users, resources for field work and tabulation and norms of workload, and
- (c) To develop improved techniques for collection as well as tabulation and analysis of Industrial Statistics, particularly in the small scale sector.

3. Secretarial assistance to the Committee will be provided by the Central Statistical Organisation (Industry & Trade Division), New Delhi.

H. L. KOHLI, Under Secy.

**MINISTRY OF AGRICULTURE**  
(Department of Agriculture)

New Delhi, the 27th December 1971

**RESOLUTION**

No. 30-1/71-L.D.III.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 30-1/71-L.D.III, dated 25-9-71 and in partial modification of this Ministry's Resolution No. 20-20/69-L.D.III, dated 26/29-11-69, the Government of India have decided that the date up to which the Director of Administration, Directorate of Extension may operate on the current account of the Central Council of Gosamvardhana be further extended from the 1-12-71 to 31-3-72, or till the pending claims are settled, whichever is earlier.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments, Administration of Union Territory, the Ministries of the Government of India, the Planning Commission, the Cabinet Secretariat, the Prime Minister's Secretariat, the Lok Sabha Secretariat and the Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. P. GULATI, Dy. Secy.

**Indian Council of Agricultural Research**

New Delhi, the 22nd December 1971

No. 28(1)/71-Cdn.I.—Under the provisions of Rule 75 of the Rules of Indian Council of Agricultural Research, the President of the Council (Minister of Agriculture) has appointed Prof. Mohd. Shabbir Khan, Department of Economics, Aligarh Muslim University, Aligarh, as a member of the

Standing Committee for Agricultural Economic, Statistical & Marketing Research for the period 11-12-1971 to 18-11-1972, vice Shri H. D. Shourie, who has ceased to be a member under Rule 11(a).

The 27th December 1971

No. 34(4)/71-Cdn.I.—Dr. N. K. Panikkar, Director, National Institute of Oceanography, Panaji (Goa) who was nominated a member of the Governing Body of Indian Council of Agricultural Research *vide* this Ministry Notification No. 30(1)/69-CDN.I/ICAR, dated 20-8-1969 ceased to be member of that Body Under Rule 35 read with Rule 11(b) of the Rules of Society with effect from 4-8-1972. Under the provision of Rule 35 read with rule 10 of these Rules, the President of the Council (Minister of Agriculture) has, however, been pleased to renominate him on the Governing Body for the unexpired portion of his term of membership thereof viz. 4-8-1971 to 4-8-1972.

M. L. RAY, Dy. Secy.

**Department of Community Development**

New Delhi, the 29th December 1971

**RESOLUTION**

No. R-13011/1/71-CDN.—The Government of India have recognised the need for setting up a national forum, reflecting various shades of informed opinion on the subject, to advise them on suitable policies for promoting the objectives of Community Development and Panchayati Raj. Accordingly, two Consultative Councils, one on Community Development and the other on Panchayati Raj, were set up in December, 1968 and April 1969 respectively. As the twin objectives of Community Development and Panchayati Raj are closely interwoven, both the Council have urged the need for a single forum and their merger. The Government of India have, accordingly, decided to amalgamate the existing two Councils and to constitute a single Consultative Council on Community Development and Panchayati Raj.

2. The composition of the Council will be :

**(i) Chairman**

Union Minister of Agriculture.

**(ii) Vice-Chairman**

Union Minister of State in the Ministry of Agriculture (in charge of Community Development Department).

**(iii) Members**

- (1) Union Minister of State in the Ministry of Agriculture (in charge of Depts. of Food & Agriculture).
- (2) Union Deputy Minister in the Ministry of Agriculture.
- (3) Dr. B. S. Minhas, Member, Planning Commission.
- (4) Secretary, Departments of Agriculture, Community Development & Cooperation, Ministry of Agriculture.
- (5) Additional Secretary, Department of Community Development, Ministry of Agriculture.
- (6) Minister incharge of Community Development & Panchayati Raj, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad.
- (7) Minister incharge of Community Development & Panchayati Raj, Government of Assam, Shillong.
- \* (8) Minister incharge of ..... Government of Bihar, Patna.
- \* (9) Minister in charge of ..... Government of Gujarat, Ahmedabad.
- (10) Minister incharge of Community Development & Panchayat Raj, Government of Haryana, Chandigarh.
- (11) Development Minister (incharge of Community Development and Panchayati Raj) Government of Himachal Pradesh, Simla.

- (12) Minister of Agriculture, Government of Jammu & Kashmir, Jammu/Srinagar.
- (13) Minister for Harijan Welfare and Housing, Government of Kerala, Trivandrum.
- (14) Minister of Panchayati Raj, Government of Madhya Pradesh, Bhopal.
- (15) Minister for Labour & Rural Development, Government of Maharashtra, Bombay.
- (16) Minister for Industries & Agriculture, Government of Meghalaya, Shillong.
- \* (17) Minister incharge of ..... Government of Mysore, Bangalore.
- (18) Minister of State incharge of Community Development, Government of Nagaland, Kohima.
- (19) Minister incharge of Community Development and Panchayati Raj, Government of Orissa, Bhubaneswar.
- \* (20) Minister incharge of ..... Government of Punjab, Chandigarh.
- (21) Minister incharge of Community Development & Panchayati Raj, Government of Rajasthan, Jaipur.
- (22) Minister for Education & Local Administration (incharge of Community Development & Panchayati Raj), Government of Tamil Nadu, Madras.
- (23) Minister incharge of Community Development & Panchayati Raj, Government of Uttar Pradesh, Lucknow.
- \* (24) Minister incharge of ..... Government of West Bengal, Calcutta.
- (25) Shri Shiv Narain Sarsunia, Executive Councillor, Delhi Metropolitan Council, Delhi.
- (26) State Minister incharge of Community Development & Panchayati Raj, Government of Goa, Daman and Diu, Panaji.
- (27) Home Minister (incharge of Community Development) Government of Pondicherry, Pondicherry.
- \* (28) Minister incharge of ..... Government of Manipur, Imphal.
- (29) Chief Minister, Government of Tripura, Agartala.
- (30) Shri Biswanarayan Shastri, Member, Lok Sabha.
- (31) Shri Bhola Raut, Member, Lok Sabha.
- (32) Shri Dharamrao Sharanappa Afzalpurkar, Member, Lok Sabha.
- (33) Shri Mohammed Usman, Member, Rajya Sabha.
- (34) Shri T. N. Singh, Member, Rajya Sabha.
- (35) Dean, National Institute of Community Development, Rajendranagar, Hyderabad.
- (36) Chairman, Central Social Welfare Board, New Delhi.
- (37) President, All India Panchayat Parishad, A-23, Kailash Colony, New Delhi.
- (38) Smt. A. Wahabuddin Ahmed, Hony. General Secretary, Bhartiya Grameen Mahila Sangh, C/o Shri S. Wahabuddin Ahmed, Chairman, Railway Service Commission, Churchgate, Bombay-20.
- (39) Shri T. S. Avinashilingam, Sri Ramakrishna Mission Vidyalyaya, Coimbatore District, South India.
- (40) Shri Vimil Kumar Chordia, Bhanpura, Mandasore District, (Madhya Pradesh).
- (41) Prof. V. K. N. Menon, TC 24/290, Near Central Stadium, Trivandrum. (Kerala).
- (42) Shri Rishang Keishing, Mantripukhri, Imphal (Manipur).
- (43) Shri Sangram Maknikar, President, Zila Parishad, Osmanabad (Maharashtra State).
- (44) Shri Fazur Rahman, M.L.C. M.L.A. is Flat No. 10, Gardener Road, Patna (Bihar).
- (45) Shri S. N. Ahooja, Rural Agency Service, 13/27, East Patel Nagar, New Delhi-8.
- (46) Shri Iaxmanrao H. Palwe, At & Post Mehakari, Nagar Taluka, District Ahmednagar (Maharashtra).

- (47) Shri Ram Shankar Tripathi, Managing Director, District Cooperative Bank Ltd., Rai Bareilly (Uttar Pradesh).
- (48) Smt. Daya Chaudhary, Social Worker, Charkhi Dad.ijhojhu Kalan, District Mahendergarh (Haryana).
- (49) Smt. A. Nafecsath Beevi, Advocate, Alleppey (Kerala).

## (iv) Member-Secretary

- (50) Joint Secretary, Department of Community Development, Ministry of Agriculture.

\*Will be included after popular Governments are set up in the State.

3. The functions of the amalgamated Council on Community Development and Panchayati Raj will be :—

- To advise the Government on the problems relating to Community Development and Panchayati Raj;
- to review, from time to time, the progress and recommend measures for improvement in the implementation of the Community Development and Panchayati Raj; and
- to advise the Centre and the States on the measures required to secure adequate resources for the Community Development Programme, as well as public cooperation, taking into account the needs both of economic development and community action and further to ensure optimum local initiative necessary for the growth and consolidation of Panchayati Raj.

4. The term of office of the members of the Council will be for three years.

5. The Council will meet as often as necessary and, in any case, at least once a year.

6. This Ministry's Resolution No. 11/1/67-CP&B, dated 10th December, 1968 constituting the Consultative Council on Community Development and Resolution No. 5-1/66-PR, dated 5th April, 1969 reconstituting the Consultative Council on Panchayati Raj, as amended from time to time, stand cancelled.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. RAMAKRISHNAYYA, Addl. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS  
(Railway Board)

New Delhi-1, the 29th December 1971

## CORRIGENDUM

No. 70/1(GR)/15/2.—In the Rules for the competitive examination held by the Union Public Service Commission in 1971, for the purpose of filling vacancies in various Engineering Services under different Ministries/Departments of the Government of India, published in Part I, Section 1, of the Gazette of India dated the 13th February, 1971, the following corrections shall be made —

## (1) Rules :

(i) In page 181, col. 1, case below para 5 (b)(iii), in column 2 against the entry Engineer-in-Chief, Army Headquarters, substitute "M.E.S. Class I" for "M.E.S. Class."

(ii) In page 181, col. 2, para 5 (d) (ii), line 3, substitute "migrated to India on or after 1st January, 1964." for "received education through the medium of French."

(iii) In page 182, col. 2, para 14, line 2, insert the word "of" between the words "order" and "merit."

## (2) Appendix 1 :

(I) In page 184, col. 1, item (b) (5) under the heading E&F. Central Engineering Services, Class I and Class II, line 2, insert "I" between the words "Class" and "only".

(II) In page 184, col. 1, in the heading G & H. Central Electrical Engineering Services, Class I and II, insert the word "Class" between the words "and" and "II".

(III) In page 184, col. 2, in the heading Indian Supply Service, Class I, and "J" before the word "Indian."

(IV) In page 186, col. 1, in the heading Mechanical Engineering post under item P, the following shall be added below the existing para (a) Compulsory :—

“(b) optional—Any two of the following subjects—

(1) Hydraulics and Hydraulic Machines	100
(2) Electrical Engineering	100
(3) Metallurgy	100
(4) Workshop Technology	100
(5) Physics (including Electricity and Magnetism)	100
(6) Workshops Organisation and Management	100”

(v) In page 186, col. 1, in the heading P. Central Engineering Service (Roads), Class I, *substitute* “Q” for the letter “P”.  
(3) *Schedule to Appendix I* :

(i) In page 192, col. 1, in the heading Hydraulics, and Hydraulic Machinery, under item, 16, line 2, *substitute* the word “and” for “a”.

(ii) In page 193, col. 1, in the heading Manufacturing Processes, under item 20, line 2, *substitute* “for forming materials e.g. moulding and casting” for “on materials, Electrodes and fluxes, Structure of”.

(iii) In page 193, col. 1, the heading Measuring equipment, under item 20, line 2, *substitute* “Micrometers, vernier calipers and height gauges, dial gauges.” for “Angles of tools for cutting Different materials and purposes,”

(iv) In page 193, col. 1, the heading cutting tools, under item 20, line 5, *substitute* the word “machining” for the word “machng”.

(4) *Appendix II* :

(i) In page 195, col. 1, cage below para 6, *substitute* “6/6 6/12 for “6/6 6/12 or 6/9 6/9” 6/9 6/9”.

(ii) In page 196, col. 2, para 10, line 2, *substitute* “as a routine” for “is a routing”.

(iii) In page 197, col. 2, para 3 (b), line 2, *insert* the word “or” between “medical” and “surgical”.

(5) *Appendix III* :

(i) In page 199, col. 1, para (8) under item 1, line 7, *substitute* “positions” for “pisitons.”

(ii) In page 199, col. 1, para (9) under item 1, under the heading senior Administration Grade, line 3, *substitute* “Railway” for “Way”.

(iii) In page 200, col. 1, para 3(b) under Indian Inspection Service and Indian Supply Service, *substitute* “grade I-Administrative Selection posts” for “Grade-Administrative Selection posts.”

(iv) In page 202, col. I, in the cage under the heading Electrical and Mechanical Posts in the Power Wing under item 7 (iii), the figures “100-1,700 “appearing against Superintending Engineer/Director (Ordinary grade), shall be deleted.

(v) In page 203, col. 2, line 1 of sub-proviso (i), add the word “the” after the word “after.”

V. P. SAWHNEY, Secy. Rly. Board

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi-1, the 28th December 1971

### Public Notice

#### NATIONAL AWARDS FOR FILMS

No. A-18015/43/71-FFC.—In pursuance of rules 3 and 6 of the Rules concerning National Awards for Films notified in the Resolution of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 7/51/69-FI(NA), dated the 7th May, 1971 entries for the National Awards for Films are hereby invited in respect of the following categories of Indian films certified for public exhibition during the calendar year 1971 :—

#### I. Films as Art

1. Best feature film of the year.
2. Best feature film on national integration.
3. Best children's film of the year.

#### II. Film as Communication

4. Best Information film (documentary).
5. Best educational/instructional film.
6. Best social documentation film (dealing with an objective analysis and presentation of a contemporary social problem).
7. Best promotion film :
  - (i) Commercial
  - (ii) Non-commercial

#### III. Special Short Films Category

8. Best experimental film.
9. Best animation film.

2. The entries in respect of feature films as mentioned above as well as in other categories may be made by the producer(s) or any other person(s) duly authorised by him (them) in this behalf, up to 31st January, 1972. The entries should be made in duplicate in the form prescribed in the schedule annexed to the Rules referred to above. The entry forms in respect of feature films and short films shall be accompanied by a treasury chalan of Rs. 100/- in the case of films exceeding 1000 metres in length in 35 mm and 400 metres in 16 mm and of Rs. 50/- in case of films shorter in length than the above mention limit respectively. The above amount should be credited to Central Government Account under the major Head L.II—Miscellaneous”.

3. Entries in respect of the various categories of films should be addressed to the authorities indicated below :—

(a) The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 91-Walkeshwar Road, Bombay-6,

(i) Feature films in Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Punjabi, Kashmiri, Gujarati, Marathi (including Konkani) Sindhi and English.

(ii) Documentary films in all languages.

(iii) Promotion films (commercial and non-commercial).

(iv) Children's films in all languages.

(v) Educational/instructional films in all languages.

(vi) Social documentation films in all languages.

(vii) Experimental films in all languages.

(viii) Animation films in all languages.

(b) The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 8, Esplanade East, 3rd Floor, Calcutta-1, Feature films in Bengali, Oriya and Assamese.

(c) The Regional Officer, Central Board of Film Censors, Block III, 5th Floor, Central Government Buildings, 35-Haddows Road, Nungambakkam, Madras-5.

Feature films in Tamil Telugu, Kannada and Malayalam.

The prints will be delivered at such places as advised by the Regional Officer concerned.

4. The entrant of a film selected for viewing by the Central Committee will submit, at his cost, the required number of copies of the detailed dialogue, 6 stills, script in English and Hindi as well as publicity material relating thereto, in addition to the print and 20 additional copies of the synopsis complete with cast and song books both in English and Hindi.

5. The maximum length of children's film for the purpose of entry for the award shall be 3,400 metres in 35 mm or 1,360 metres in 16 mm. The maximum length of a film to be entered under the broad categories “Film as Communication” and “Special Short Films Category” shall be 1000 metres in 35 mm or 400 metres in 16 mm except in the case of Information Film (Documentary). A film entered as a children's film will not be eligible for entry as a feature film or vice-versa.

K. K. KHAN, Under Secy.

## MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

Department of Labour and Employment

*New Delhi, the 22nd December 1971*

## RESOLUTION

*No. U/23011/1/71-MIII.*—The term of the Central Advisory Board for Iron Ore Mines Labour Welfare Fund reconstituted by the Government of India Resolution No. 10/31/68-M-III, dated the 20th December, 1968, published in the Gazette of India, Part I, Section 1, dated the 4th January, 1969 is hereby extended up to the 30th June, 1972.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. The Governments of Andhra Pradesh, Mysore, Madhya Pradesh, Maharashtra, Bihar, Orissa and Goa, Daman & Diu.
2. The Ministry of Steel & Mines (Department of Mines and Metals), New Delhi.
3. All Members of the Board.
4. Employers' and Workers' Organisations concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. P. DUBE, Jt. Secy.

